

न्यूज विंडो

लालकृष्ण आडवाणी की हालत में सुधार, आज होंगे डिस्चार्ज

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की हालत में सुधार हुआ है। आज उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। सीने में इन्फेक्शन की वजह से आडवाणी को 16 अक्टूबर को अगोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार आडवाणी सीनियर कंसल्टेंट-न्यूरोलाजिस्ट डॉ. विनोत सूरी की देखरेख में हैं और उनकी हालत पहले से बेहतर है।

भ्रष्टाचार का खुलासा: बांग्लादेश के पूर्व वायुसेना प्रमुख गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व वायुसेना प्रमुख शेख अब्दुल हन्नान को कतार में गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर अपने देश में भ्रष्टाचार के आरोप हैं। रिटायर्ड एयर चीफ मार्शल ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक 3.28 करोड़ बांग्लादेशी टका की संपत्ति कथित तौर पर अर्जित की। इसके अलावा, उन्होंने अपने 6 बैंक खातों के जरिए 27.63 करोड़ बांग्लादेशी टका का संदिग्ध लेन-देन भी किया। एसीसी के उपनिदेशक मोहम्मद अख्तरुल इस्लाम ने इंटरपोल से ईमेल के जरिए उनकी गिरफ्तारी की आधिकारिक सूचना मिली।

जयपुर में ओले गिरे, चेन्नई में सड़कों पर पानी भरा

जयपुर/चेन्नई। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर बना हुआ है। जयपुर और अजमेर में कई इलाकों में बारिश हुई और ओले भी गिरे। वहीं, पिछले 24 घंटे में मध्य प्रदेश के इंदौर-उज्जैन समेत 11 जिलों में बारिश हुई। उत्तराखंड में ठंड का असर बढ़ने लगा है। मसूरी और नैनीताल में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री से नीचे दर्ज किया जा रहा है। वहीं, केदारनाथ और बद्रीनाथ में टेम्परेचर माइनस में चल रहा है। तमिलनाडु के कोयंबटूर और चेन्नई में भारी बारिश हो रही है, जिससे शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने आगे भी भारी बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है।

श्रद्धा दुबे के मामले में हटाए गए एसीपी हजरतगंज

लखनऊ। कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड में पुलिस कमिश्नर ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए एसीपी हजरतगंज राजनीश वर्मा को उनके पद से हटा दिया है। इस सनसनीखेज मामले में प्रशासनिक स्तर पर पहले ही बड़ी कार्रवाई की जा चुकी है, जिसके तहत डीसीपी सेंट्रल विक्मत वीर को भी हटाया गया था और इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह को लाइन हाजिर किया गया था। वहीं, हत्याकांड की मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर और फरार चल रही है। हैरानी की बात यह है कि वह लगातार सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर रही है।

अवकाश की सूचना

विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार 20 अक्टूबर को दोपहर मेट्रो कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक बुधवार 21 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

बाल ठाकुर पर छह साल की पाबंदी, राहुल गांधी के भाषण और कानून का सवाल...

वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री आलोक मेहता का विशेष लेख... पेज-4

आज का कार्टून

लगता है आजकल दुनिया में आंदोलनों का ही मौसम चल रहा है...

8 देशों में फैले प्रदर्शन की आग

मुंबई में एक्टर पर हमला ... कोटा रेलवे स्टेशन से तीन संदिग्ध गिरफ्तार

45 मिनट घात लगाकर बैठे रहे... फिर टाइगर की कार पर बरसाई गोलियां

मुंबई, एजेंसी

एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग मामले में कोटा पुलिस ने 3 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इनमें से दो हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है। पुलिस का कहना है कि इनमें से दो ने फायरिंग की। मुंबई क्राइम ब्रांच राजस्थान, गुजरात में कई जगह छापेमारी कर रही है। पुलिस के मुताबिक फायरिंग के बाद आरोपी एसबी रोड से विले पार्स और अंधेरी होते हुए भागे। उन्होंने अपनी बाइक अंधेरी वेस्ट रेलवे स्टेशन के पास छोड़ी और बोरीवली जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए।

पुलिस ने यह बाइक बरामद कर ली है। तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है। जांच एजेंसियों को शक है कि आरोपियों ने वारदात से पहले टाइगर की गतिविधियों की रेकी की थी। उन्हें पता था कि एक्टर हर रविवार जुहू के फुटबॉल ग्राउंड आते हैं। पुलिस के मुताबिक, टाइगर को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई। फायरिंग में उनके ड्राइवर को भी चोट लगी। टाइगर की कार पर शाम 7 बजे 3 लोगों ने फायरिंग की थी। इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली है। 4 साल में सलमान खान समेत 8 एक्टर्स-सिंगर्स पर अटैक हो चुका है।

फायरिंग अटैक के बाद आज टाइगर की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं जिनमें उनकी बांह और सीने पर पट्टियां बंधी दिख रही हैं। टाइगर की कार पर रविवार शाम जुहू इलाके में 7 राउंड फायरिंग करने वाले आरोपियों की भी तस्वीर सामने आ गई है। इसमें दो युवक सफेद शर्ट पहने दिख रहे हैं। एक ने काली कैप पहन रखी है। हालांकि, यह तस्वीर कहां और कब की है, ये अभी स्पष्ट नहीं है। लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने फायरिंग की जिम्मेदारी ली है। एक्टर के ड्राइवर फिरदौस को गोली लगी है। उमेश चव्हाण नाम का एक अन्य शख्स भी घायल हुआ है जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। देर रात टाइगर से मिलने पहुंचे छिप्टी सीएम शिंदे ने बताया कि एक्टर के हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई है। सामने आई तस्वीरों में भी एक्टर की बांह और सीने पर पट्टियां बंधी दिख रही हैं।

वायरल फोटो में बांह और सीने पर पट्टियां बांधे दिखाई दिए टाइगर श्रॉफ, बारूद और कांच के टुकड़ों से आई चोट

आकाओं तक पहुंचेगी पुलिस: फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना को गंभीर और निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है और उसे कुछ अहम सुराग मिले हैं। इनके आधार पर जांच की जा रही है। कुछ संदिग्धों की पहचान भी कर ली गई है और उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस उन आकाओं तक भी पहुंचेगी, जो पर्दे के पीछे रहकर साजिश रच रहे हैं और दूर बैठकर निर्देश दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र के भीतर सक्रिय आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि बाकी आरोपी राज्य के बाहर या देश से बाहर रहकर काम कर रहे हैं।

मुंबई से दिल्ली जा रही ट्रेन से पकड़ा

इस मामले में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और राजस्थान पुलिस ने तीन लोगों को राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये तीन लोगों टाइगर पर फायरिंग के बाद से फरार हुए थे। यह भी जानकारी मिली है कि फरार आरोपियों में से एक महाराष्ट्र का जबकि 2 आरोपी हरियाणा के रहने वाले हैं। इन्हें मुंबई से दिल्ली जा रही एक ट्रेन से पकड़ा गया। तीनों से पूछताछ की जा रही है। शुरुआती खुफिया जानकारी से पता चला है कि वह पुलिस से बचने की कोशिश में ट्रेन से मुंबई से भाग गए थे। तीनों महाराष्ट्र की सीमा पार करके पड़ोसी राज्य गुजरात में दाखिल हो गए थे।

पुलिस को पता चला है कि बदमाशों ने पहले 45 मिनट तक घटना स्थल पर खड़े होकर इंतजार किया और जैसे ही टाइगर अपनी कार में निकले, उन्होंने ताबड़तोड़ 7 राउंड फायरिंग की। 5 राउंड कार पर लगे जबकि दो राउंड मिस हो गए। हमले में देसी पिस्टल का इस्तेमाल किया गया था। बताया जा रहा है कि जब दोनों शूटर लगातार गोलियां बरसा रहे थे तो दूसरे शूटर का पिस्टल जाम हो

आज शीतला माता मंदिर हदसे के पीड़ित परिवारों के घर जाएंगे सीएम

ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर के शीतला माता मंदिर के गेट पर हुए भीषण हदसे के बाद आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर पहुंच रहे हैं। जहां वे मृतकों के घर पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त करेंगे। अलावा मुख्यमंत्री कलेक्ट्रेट में मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों एवं अफसरों सहित उच्च स्तरीय बैठक में भी भाग लेंगे। बैठक को लेकर यह संकेत भी आ रहे हैं कि इस मामले में और बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

पाकिस्तान की सेना पर बीएलए का हमला, मेजर समेत 7 जवानों की मौत!

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर हमले का दावा किया गया है। बलोच लिबरेशन आर्मी ने कहा है कि 'खादर जिले के पसनी इलाके में किए गए हमले में मेजर वजाहत समेत पाकिस्तानी सेना के 7 जवान मारे गए। स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशंस स्क्वाड ने दावा है कि काफिले में तीन गाड़ियां थीं। इनमें से एक गाड़ी पर रिमोट कंट्रोल से चलने वाले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस से हमला किया गया। धमाके में गाड़ी पूरी तरह तबाह हो गई। उसमें सवार सात सैन्यकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई।

आशुतोष-सौरव की जमानत मामले में जज को धमकी, एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की जमानत के मामले में स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट को कथित धमकी मिली है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। धमकी देने वाले की पहचान अभी नहीं हो पाई है। वहीं, सीजेपी ने आरोप लगाया है कि दोनों नेताओं की रिहाई में जानबूझकर देरी की जा रही है।

आशुतोष और सौरव 14 अक्टूबर से तिहाड़ जेल में बंद हैं। आज उन्हें मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में पेश किए जाने की संभावना है। सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह के मुताबिक, रविवार को जमानत पर सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट और सरकारी वकील कल दोपहर 12 बजे से इंतजार के बाद शाम करीब 5:30 बजे पहुंचे। पार्टी का आरोप है कि दोनों नेताओं की रिहाई पर सुनवाई करने के बजाय मजिस्ट्रेट को मिले धमकी भरे संदेश पर चर्चा की गई।

प्रार्थना सभा के दौरान क्रूस गिरने से पादरी की मौत

क्विटो (इक्वाडोर)। दक्षिण-पश्चिमी इक्वाडोर में शाम की प्रार्थना करा रहे एक रोमन कैथोलिक पादरी पैट्रिसियो सांचेज की चर्च में उनके पीछे दीवार पर लगा क्रूस गिरने से मृत्यु हो गई। इस प्रार्थना सभा का इंटरनेट मीडिया पर सीधा प्रसारण किया जा रहा था। राजधानी क्विटो से 265 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित तृतीय शहर ग्वायाकिल में परपेतुओ सोकोरो चर्च के पादरी पैट्रिसियो सांचेज शाम को प्रार्थना करा रहे थे। प्रार्थना सभा के वीडियो में दिखाता है कि इस दौरान

पैरा एशियन गेम्स.. भारत को एक ही इवेंट में गोल्ड-सिल्वर

नागोया। भारतीय निशानेबाज मोना अग्रवाल और अरुण लेखरा ने पैरा एशियन गेम्स में भारत को पहले दिन आज 2 पदक दिलाए। राइफल शूटिंग में मोना ने गोल्ड और अरुण ने सिल्वर जीता। जापान के नागोया में चल रहे गेम्स में दोनों ने शानदार वन-टू फिनिश किया। क्वालिफिकेशन राउंड में अरुण दूसरे स्थान पर रहीं। मोना उनसे आगे थीं। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 629.1 स्कोर किया। यह एशियन पैरा गेम्स क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड है।

चिल्लाने लगे श्रद्धालु

इंटरनेट मीडिया पर प्रसारण जारी रहने के दौरान श्रद्धालु मदद के लिए चिल्लाने लगे। स्थानीय अधिकारियों ने इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पैट्रिसियो सांचेज मोस्ट होली रीडरम धर्मसभा से जुड़े थे। यह रोमन कैथोलिक धार्मिक संघ 1732 में स्थापित हुआ था और 80 देशों में इसकी मौजूदगी है।

पादरी के पीछे दीवार पर लगा भारी क्रूस उखड़कर उनके सिर पर गिर पड़ा।

चोरबागान हदसा

चोरबागान हदसा शहर के दुर्गा पूजा इतिहास की सबसे त्रासद घटनाओं में शुमार हो गया। इसमें 19 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। धार्मिक उत्सव की वह शाम सुरक्षा चूकों के बीच चीख-पुकार, दम घुटने, अपनों को तलाशने और असहाय लोगों की जान बचाने की जद्दोजहद में तब्दील हो गई। हदसे ने भीड़ प्रबंधन, पुलिस की तैयारी, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था और आयोजकों से लेकर प्रशासन तक की जवाबदेही को कटघरे में ला दिया है। अब सवाल है - इस त्रासदी की जिम्मेदारी कौन लेगा? दरअसल, चोरबागान की पूजा को लेकर दुर्गा

कोलकाता में दुर्गा पूजा इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी

19 मौतों के बाद भीड़ प्रबंधन, तैयारी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल

दोपहर मेट्रो

ग्राउंड रिपोर्ट

अजय विश्वास

कोलकाता

चोरबागान हदसा शहर के दुर्गा पूजा इतिहास की सबसे त्रासद घटनाओं में शुमार हो गया। इसमें 19 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। धार्मिक उत्सव की वह शाम सुरक्षा चूकों के बीच चीख-पुकार, दम घुटने, अपनों को तलाशने और असहाय लोगों की जान बचाने की जद्दोजहद में तब्दील हो गई। हदसे ने भीड़ प्रबंधन, पुलिस की तैयारी, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था और आयोजकों से लेकर प्रशासन तक की जवाबदेही को कटघरे में ला दिया है। अब सवाल है - इस त्रासदी की जिम्मेदारी कौन लेगा? दरअसल, चोरबागान की पूजा को लेकर दुर्गा

कभी न मिटने वाला दर्द...	अब अनुभवी अफसरों की वापसी
सबसे दर्दनाक पहलू उन परिवारों की पीड़ा है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। मौतों के आंकड़ों के पीछे ऐसी कहानियाँ हैं, जिनका दर्द किसी सरकारी घोषणा या मुआवजे से खत्म नहीं हो सकता। चाकदह निवासी राम सरकार ने इस हदसे में अपनी पत्नी और इकलौती बेटी को खो दिया। अपने परिवार के दोनों सदस्यों को गंवाने के बाद वह फूट-फूटकर रो पड़े। उनका दर्द इन शब्दों में सामने आया- 'मैं अब बिल्कुल अकेला रह गया हूँ।' कॉलेज में पढ़ने वाली संजुक्ता ने रोते हुए कहा, 'मेरी सहेली मर गई है। मुझे नहीं पता कि मेरी बाकी सहेलियाँ कहाँ हैं।'	भीड़ को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार ने दूसरे राज्यों में प्रतिनियुक्ति पर तैनात सात IPS अधिकारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है। इन सभी अधिकारियों को पहले कोलकाता में दुर्गा पूजा के दौरान भीड़ प्रबंधन का अनुभव रहा है। ये अधिकारी पूजा के शेष दिनों में तैनात होंगे, ताकि किसी भी अप्रत्याशित दुर्घटना से निपटने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की जा सके। साथ ही सरकार ने 13 प्रमुख दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास बीएनएस की धारा 163 लागू की है, ताकि भीड़ नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रतिबंध लगाए जा सकें।

पूजा से काफी पहले ही सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार अभियान चलाया गया था। आयोजकों की ओर से प्रसारित रैला और प्रचार सामग्री ने लोगों में ख़ासा आकर्षण पैदा किया। इसके चलते कोलकाता और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और उत्सव प्रेमी यहां पहुंचे। कई पुरस्कार हासिल कर चुके इस पूजा पंडाल को

देखने के लिए लोगों में जबरदस्त उत्साह था। लेकिन स्थानीय निवासियों के मुताबिक, जिस अनुपात में भीड़ उमड़ रही थी, उस हिसाब से सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के इतजाम नाकाफी दिखाई दे रहे थे। चोरबागान की भौगोलिक बनावट ने भी हालात को और मुश्किल बना दिया। इलाका संकरी गलियों और उपगलियों से घिरा है। स्थानीय

लोगों ने सवाल उठाया कि क्या इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रवेश और निकास के पर्याप्त रास्ते उपलब्ध थे? स्थानीय निवासियों का आरोप है कि सरकार बदलने के बाद गठित नई पूजा समिति के सदस्यों के पास इतने बड़े जमावड़े को संभालने का पर्याप्त अनुभव नहीं था।

नौ दिन आराधना...अब विसर्जन घाट तैयार, गोताखोर भी तैनात

भोपाल। नवरात्रि में शहरवासियों ने जमकर मां दुर्गा की आराधना की। आज नवमी पर हवन-पूजन, कन्या भोज और भंडारे हुए। अब माता की विदाई सिलसिला शुरू होगा। संत हिरदाराम नगर में आज 80 प्रतिशत प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। बाकी प्रतिमाओं का विसर्जन दशहरे और उसके अगले दिन होगा। इसके लिए जिला प्रशासन के बनाए विसर्जन घाट तैयार हैं। इसके लिए क्रेन और जैसीबी की व्यवस्था की गई है। घाट के भीतर सिर्फ निगम कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रवेश मिलेगा।

श्रद्धालु बाहर पूजा कर प्रतिमाएं कर्मचारियों को सौंपेंगे। सुरक्षा के लिए गोताखोर, पुलिस और अन्य संसाधन तैनात किए हैं। पूजा सामग्री के लिए अलग-अलग कंटेनर रखे हैं। आसपास सफाई, पानी व बिजली के इंतजाम भी किए गए हैं।



न्यूज विंडो

कांग्रेस की 'वोट बचाओ-देश बचाओ' पदयात्रा, सीईसी के इस्तीफे की मांग



भोपाल। मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी के आरोपों में कांग्रेस ने पिपलानी ब्लॉक में 'वोट बचाओ-देश बचाओ' पदयात्रा निकाली। शाम 5 बजे वार्ड 72 के कुटीर नगर पानी की टंकी से शुरू हुई यात्रा वार्ड 73 के कुटीर नगर, कल्याण नगर और शिव नगर होते हुए मुख्य तिराहे पर पहुंची। यहां सभा के बाद कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान 'वोट चोर गद्दी छोड़' और 'लोकतंत्र बचाओ-संविधान बचाओ' के नारे लगाए गए। कार्यक्रम ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष टी.आर. गहलोत के आह्वान पर हुआ।

डिपेशन में था...फांसी का फंदा लगाकर छात्र ने की खुदकुशी

भोपाल। निशातपुरा थाना इलाके में छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के मुताबिक मुर्गा रोड निवासी 23 वर्षीय फैजल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। उसके पिता चरमे बेचने का काम करते हैं। फैजल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने पुलिस को बताया कि फैजल कुछ समय से डिप्रेशन में था और उसका डॉक्टर से इलाज भी चल रहा था।

कोलार के फॉर्च्यूनर एन्क्लेव में गरबा प्रतियोगिता में झूमी महिलाएं



भोपाल।भोपाल के कोलार स्थित फॉर्च्यूनर एन्क्लेव में नवरात्र पर गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी तादाद में महिलाओं ने गरबा किया।

यूका अपशिष्ट से जुड़े 3 तालाबों को लेकर सुनवाई तालाबों की लेवलिंग पर एनजीटी ने मांगा जवाब, प्रशासन ने मांगे 4 सप्ताह

भोपाल। दोपहर मेट्रो

यूनिशन कार्बाइड फैक्ट्री के रासायनिक अपशिष्ट से जुड़े इवेपोरेशन पांड के समतलीकरण को लेकर पर्यावरणीय नुकसान की आशंका जताई गई है। भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन ने इस मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में याचिका दायर कर तालाबों में चल रहे काम पर सवाल उठाए हैं। याचिका में कहा है कि अपशिष्ट की सफाई किए बिना पांड की लेवलिंग की जा रही है।

सुनवाई में संबंधित प्रतिवादियों की तरफ से जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा गया। वहीं, प्रशासन की ओर से बताया गया कि अभी इवेपोरेशन पांड में कोई काम नहीं चल रहा है। प्रशासन ने आश्वासन दिया

तीन तालाबों में जाता था रासायनिक अपशिष्ट

याचिका के मुताबिक यूनिशन कार्बाइड फैक्ट्री से निकलने वाले अपशिष्ट को फैक्ट्री के पास बने तीन तालाबों में छोड़ा जाता था। ऐसे में बिना सफाई या सुरक्षित निस्तारण के पांड की लेवलिंग करने से मिट्टी, भूजल और आसपास के पर्यावरण पर असर पड़ने की आशंका जताई। एनजीटी ने संबंधित पक्षों को जवाब दाखिल करने का समय दिया है। अगली सुनवाई अब 6 जनवरी 2027 को होगी।

कि भविष्य में कोई काम होता है तो पर्यावरणीय नुकसान रोकने के लिए सावधानियां बरती जाएंगी।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने लगाए थे मारपीट के आरोप गरबा में मारपीट-विवाद, निजी कॉलेज के फैकल्टी पर केस दर्ज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में बजरंग दल कार्यकर्ताओं की शिकायत पर निजी कॉलेज की फैकल्टी समेत अन्य पर एफआईआर दर्ज की गई है। गरबा आयोजन के दौरान हुए विवाद में बिलखिरिया थाना पुलिस ने मारपीट और गाली-गलौज का केस दर्ज किया है। आरोप है कि कार्यक्रम में कुछ युवकों की एंटी और गानों पर आपत्ति जताने पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई। मामले में पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि गरबा में समुदाय विशेष के युवकों को प्रवेश दिया जा रहा था। वे माता की आराधना के लिए पारंपरिक गीतों की बजाय फिल्मी गानों पर डांस कर रहे थे। आपत्ति लेने पर मारपीट की गई।

ये है मामला

पुलिस के अनुसार, भेल क्षेत्र में बजरंग दल के विद्यार्थी प्रमुख पुष्पराज यादव ने शिकायत की है। इसमें कहा है कि 16 अक्टूबर की रात करीब 8:30 बजे उन्हें गरबा कार्यक्रम की जानकारी मिली थी। वे अपने साथियों के साथ वहां पहुंचे तो मामला ही अलग नजर आ रहा था। कार्यक्रम में समुदाय विशेष के युवकों को प्रवेश दिया गया। युवक फिल्मी गानों पर डांस करने लगे। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आपत्ति की तो युवकों ने मारपीट की। गाली-गलौज और अभद्रता की। जबकि आयोजन से पहले ही साफ था कि पारंपरिक रूप से मां की आराधना की जाएगी।

दोपहर मेट्रो

शोर से शहर परेशान, पुलिस बना रही नियम..आयोजक हैं कि मानते ही नहीं

डीजे के शोर पर 3 साल में 257 एफआईआर, फिर भी ध्वनि तांडव

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में तेज आवाज वाले डीजे लोगों की नींद और सुकून पूरी तरह छीन रहे हैं। धार्मिक जुलूसों, आयोजनों और त्योहारों के दौरान देर रात तक बजने वाले लाउडस्पीकरों और डीजे के खिलाफ पुलिस ने पिछले तीन वर्षों में 257 एफआईआर दर्ज की हैं, लेकिन इसके बावजूद शिकायतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, साल 2024 में 105, साल 2025 में 01 और 30 सितंबर 2026 तक 51 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इसके बावजूद नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

प्रशासनिक नियमों के मुताबिक, रहवासी इलाकों में दिन के समय ध्वनि सीमा 55 डेसीबल और रात के समय 45 डेसीबल निर्धारित की गई है। इसके साथ ही अस्पताल, स्कूल और अदालतों के आसपास के 'साइलेंस जोन' बनाए गए हैं। यहां ध्वनि की मानक सीमा क्रमशः 50 और 40 डेसीबल तय की गई है। लेकिन जमीन पर इन नियमों का कोई असर नहीं दिखाई दे रहा है। इतना ही नहीं, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर और डीजे के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद शहर के कई इलाकों में इन नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। पुलिस कार्रवाई कर रही है, लेकिन आयोजक हैं मान ही नहीं रहे।

2024 में 105 पर एफआईआर दर्ज	2025 में 01 पर दर्ज किया केस	2026 में अब तक 51 प्रकरण बनाए
		

अस्पताल-स्कूल और रहवासी क्षेत्र प्रभावित, जब्ती पर टकराव

जहांगीराबाद निवासी सचिन कुशवाहा का कहना है कि घर के पास तेज आवाज के कारण रात में सोना बेहद मुश्किल हो जाता है। टीटी नगर, कमला नगर और अशोका गार्डन जैसे इलाकों से भी लगातार ऐसी शिकायतें सामने आ रही हैं। हाल ही में टीटी नगर में दुर्गा जुलूस के दौरान देर रात तक तेज संगीत बजाने की शिकायत पर पुलिस और आयोजकों के बीच तीखा विवाद भी देखने को मिला था।

एक साउंड की ही अनुमति, पर लग रहे बड़े स्पीकर

जिला प्रशासन के नियमों के अनुसार, एक डीजे वाहन पर केवल एक साउंड सिस्टम या बॉक्स यूनिट की ही अनुमति होती है। पूर्व अनुमति लेने पर अधिकतम दो मध्यम आकार की यूनिट्स ही लगाई जा सकती हैं, और कई बड़े स्पीकरों को एक साथ जोड़ना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद आयोजक नियमों को ताक पर रखकर शक्तिशाली साउंड सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। आयोजकों को निर्धारित ध्वनि सीमा का पालन कराने के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके।

एफआरसी ने कर्मचारियों के वेतन से लेकर तीन साल की बैलेंस शीट तक मांगी पांच माह से अटकी 571 बीएड-एलएलबी कॉलेजों की फीस, अब होगी निर्धारित

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के 571 निजी बीएड, एमएड और विधि कॉलेजों की फीस का अंतिम निर्धारण अब तक नहीं हो सका है। प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति (एफआरसी) ने इन कॉलेजों को नोटिस जारी कर वित्तीय दस्तावेज और खर्चों का पूरा ब्योरा मांगा है।

कॉलेजों को 17 अक्टूबर तक ही निर्धारित प्रारूप में जानकारी अपलोड करनी थी। दस्तावेजों की जांच के बाद ही उनकी अंतिम फीस तय होगी। फिलहाल ये संस्थान प्रावधानिक फीस के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया संचालित कर रहे हैं। अब पांच माह बाद प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है।

- इन कोर्स की तय होगी फीस**
- बीएड: 32 हजार रुपए सालाना।
 - एमएड: 45 हजार रुपए सालाना।
 - एलएलबी: 25 हजार रुपए सालाना।
 - एलएलबी ऑनर्स 25 हजार रुपए सालाना।

750 कॉलेजों ने किया था फीस बढ़ाने का आवेदन

प्रदेश के करीब 750 कॉलेजों ने फीस बढ़ाने के लिए आवेदन किया था। इनमें कई संस्थानों ने कर्मचारियों के वेतन और अन्य खर्चों का विवरण दिया, लेकिन पैन कार्ड, बैंक खाते का विवरण, बैलेंस शीट और अन्य वित्तीय दस्तावेज अपलोड नहीं किए। अधूरी

तय की जाएगी फीस

एफआरसी ओएसडी डॉ. अनिल शिवानी का कहना है कि 571 कॉलेजों को प्रावधिक फीस दी गई थी। अंतिम फीस निर्धारित करने के लिए उनसे जरूरी दस्तावेज अपलोड कराए जा रहे हैं। इसके बाद फीस कमेटी निर्णय लेगी।

जानकारी के कारण समिति ने न्यूनतम स्तर पर प्रावधिक फीस निर्धारित की थी। कॉलेजों को पिछले तीन वर्षों की बैलेंस शीट, कर्मचारियों के वेतन और संस्थान के अन्य खर्चों का पूरा ब्योरा देना है। इसी आधार पर परीक्षण के बाद अंतिम फीस निर्धारित की जाएगी।

मेट्रो एंकर महंगा डामर, बजट में 5 करोड़ की कमी, शहर में सड़क मरम्मत के लिए नहीं मिल रहे ठेकेदार

बिटुमिन टैंकर की कीमत 11 लाख से बढ़कर हुई 24 लाख, अटक गई 400 किलोमीटर सड़क की मरम्मत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर की सड़कों की मरम्मत पर महंगे डामर और बजट की कमी का असर पड़ रहा है। भोपाल नगर निगम (बीएमसी) को सालभर सड़कों के रखरखाव के लिए 5 करोड़ रुपए से अधिक की जरूरत है, लेकिन फिलहाल 4.5 करोड़ रुपए ही उपलब्ध हैं। दूसरी ओर, डामर की कीमतों में उछाल के कारण ठेकेदार मौजूदा दरों पर काम लेने से कतरा रहे हैं। ठेकेदारों के मुताबिक, डामर का टैंकर पहले 11 लाख रुपए में मिलता था, अब दाम बढ़कर 23 से 24 लाख रुपए हो गए। आपूर्ति में बाधा व कच्चे माल की बढ़ती लागत ने सड़क मरम्मत योजना को मुश्किल बना दिया है।



ईरान-इजराइल युद्ध के कारण बढ़े बिटुमिन के भाव

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान-इजराइल संघर्ष से जुड़ी आपूर्ति संबंधी दिक्कतों और होमजुज जलडमरूमध्य की स्थिति का असर भी बिटुमेन की उपलब्धता पर पड़ा है। नगर निगम बारिश के बाद 21 जून में करीब 400 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत और डामरीकरण की योजना बना रहा है। इसमें गड्ढे भरना, क्षतिग्रस्त सतह सुधारना और सड़क किनारों की मरम्मत शामिल है। नई सड़कों के निर्माण के बजाय मौजूदा सड़कों के रखरखाव पर जोर रहेगा।

संघ बोला-कोर्स के लिए करनी होगी समीक्षा

हमीदिया में 3 साल पहले घोषणा, अब तक फाइलों में ही कैद 'फिजियोथैरेपी'



भोपाल। दोपहर मेट्रो

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में फिजियोथैरेपी की पढ़ाई शुरू करने की घोषणा तीन साल बाद भी पूरी नहीं हुई है। 5 जनवरी 2023 को गांधी मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में यह कोर्स शुरू करने की घोषणा की थी। दूसरी ओर, छत्तीसगढ़ में 83.62 करोड़ रुपए खर्च कर छह नए सरकारी फिजियोथैरेपी कॉलेज खोलने की तैयारी है। भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ ने मप्र में घोषणा पर अमल न होने पर सवाल उठाए हैं। संघ के अनुसार, मप्र में जबलपुर, इंदौर व शहडोल के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में ही फिजियोथैरेपी कोर्स है। जबकि छत्तीसगढ़ में मनेन्द्रगढ़, जशपुर, रायगढ़, बिलासपुर, दुर्ग और जगदलपुर में नए कॉलेजों के लिए प्रशासनिक मंजूरी दी गई है।

संघ ने मप्र में कमीशन फॉर एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स का गठन करने की मांग की है। इसके तहत कॉलेज खोलने की भी मांग है। फिलहाल, प्रदेश में पैरामेडिकल कार्डिसल संचालित है।

हमीदिया में मरीजों के पुनर्वास पर सवाल

गांधी मेडिकल कॉलेज से जुड़े 2000 बिस्तरों वाले हमीदिया अस्पताल में संघ के मुताबिक एक फिजियोथैरेपिस्ट है। स्ट्रोक, लकवा, हड्डियों के ऑपरेशन और आईसीयू से बाहर आने वाले मरीजों को फिजियोथैरेपी की जरूरत पड़ती है। ऐसे में मरीजों को पर्याप्त सेवाएं मिलने पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, अस्पताल में स्वीकृत व कार्यरत पदों की आधिकारिक जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। संघ ने हड्डी-जोड़, तंत्रिका रोग, हृदय-फेफड़े, खेल चोट, कैंसर और महिला स्वास्थ्य से जुड़े फिजियोथैरेपी विशेषज्ञों के पद बनाने की मांग की है। साथ ही, सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कोर्स शुरू करने को कहा है। भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ अध्यक्ष डॉ. सुनील पांडेय का कहना है, हमीदिया में फिजियोथैरेपिस्टों की उपलब्धता की समीक्षा जरूरी है। ताकि मरीजों को समय पर उपचार मिले।

संस्कृति जैन को वित्त विभाग में उप-सचिव बनाया जनप्रतिनिधियों से बनी नहीं, संस्कृति को हटाया, अब अहिरवार BMC कमिशनर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन का भोपाल से तबादला कर दिया गया है। उन्हें उप सचिव, वित्त विभाग पदस्थ किया गया है। वहीं, जबलपुर नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार भोपाल नगर निगम (बीएमसी) के नए कमिशनर होंगे। संस्कृति जैन का एक साल का कार्यकाल कई विवादों के चलते चर्चा में रहा। सबसे बड़ा विवाद आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए सीलिंग अभियान को लेकर हुआ।

हजारों प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी करने और सीलिंग के विरोध में व्यापारियों ने प्रदर्शन किए। भेदभाव के आरोप लगाए। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा तो निगम ने कहा- वह कार्रवाई



विदाई के ये भी कारण

निगम परिषद और एमआईसी की बैठकों में पार्षदों ने अधिकारियों की कार्यशैली, विकास कार्यों और आयुक्त की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए। आनंद नगर में भाजपा पार्षद से जुड़े निर्माण को हटाने की कार्रवाई भी विवादों में रही।

करना चाहता है, लेकिन प्रदेश सरकार की समिति के कारण कार्रवाई नहीं बढ़ पा रही है। ऐसे में सरकार पर अवमानना की तलवार लटक गई थी।

चुनरी यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, सीएम बोले-

मां के दरबार में सभी समान, एक सूत्र में जोड़ती है भक्ति और श्रद्धा

इंदौर, दोपहर मेट्रो

नवरात्रि के पावन पर्व पर इंदौर में भक्ति, आस्था और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रसिद्ध बड़ा गणपति मंदिर से प्रारंभ हुई विशाल चुनरी यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। विभिन्न मार्गों से होती हुई यात्रा एरोड्रम क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध बिजासन माता मंदिर पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं ने उत्साह और श्रद्धा के साथ सहभागिता की। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। माता रानी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

मां की आराधना से मिलता है शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चुनरी यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि मां दुर्गा की आराधना का पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, वैभव और आनंद लेकर आए। मां के आशीर्वाद से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों तथा प्रदेश में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहे। उन्होंने कहा कि नवरात्रि हमें शक्ति की उपासना के साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री ने दशहरा और दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की।



भोपाल में महिला सुरक्षा पर सवाल, पुलिस के तमाम दावों के बावजूद नहीं थम रही घटनाएं

9 महीने में 2,801 केस, अपराधों में 26% की बढ़ोतरी, अपहरण के मामले 50 फीसदी उछले

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस के तमाम दावों, जागरूकता अभियानों और विशेष अधिकारियों की तैनाती के बावजूद महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पुलिस थानों में दर्ज आंकड़ों के मुताबिक, 1 जनवरी से 30 सितंबर 2026 तक शहर में महिला अपराधों के कुल 2,801 मामले दर्ज किए गए। वहीं, वर्ष 2025 की इसी अवधि में यह संख्या 2,216 थी। इस तरह एक साल में 585 मामले बढ़े हैं, जो करीब 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं। वर्ष 2024 में इसी अवधि के दौरान 2,482 मामले दर्ज किए गए थे। यानी दो साल पहले की तुलना में भी अपराधों का आंकड़ा करीब 13 प्रतिशत बढ़ गया है। लगातार बढ़ते ये आंकड़े महिला सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करते हैं। खास बात यह है कि भोपाल में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू है और कानून-व्यवस्था संभालने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की पूरी व्यवस्था मौजूद है। इसके बावजूद अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण की चुनौती बनी हुई है।

महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों में अपहरण के मामलों में सबसे अधिक बढ़ोतरी सामने आई है। वर्ष 2025 में जहां अपहरण के 337 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2026 में यह संख्या बढ़कर 505 हो गई। इस तरह एक साल में 168 मामले बढ़े हैं और वृद्धि करीब 50 प्रतिशत रही है। यह आंकड़ा महिला सुरक्षा के लिहाज से विशेष चिंता का विषय है। अपहरण के मामलों में इतनी बड़ी बढ़ोतरी रोकथाम की रणनीति और जमीनी स्तर पर निगरानी को मजबूत करने की जरूरत की ओर इशारा करती है। ऐसे मामलों में समय पर शिकायत दर्ज करना, त्वरित कार्रवाई करना और पीड़ितों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना बेहद महत्वपूर्ण है।



दुष्कर्म और छेड़छाड़ के मामले भी बढ़े

महिलाओं के खिलाफ गंभीर अपराधों में दुष्कर्म और छेड़छाड़ के मामलों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में दुष्कर्म के 276 मामले सामने आए थे, जबकि 2026 में इनकी संख्या बढ़कर 301 हो गई। यानी एक साल में 25 मामले बढ़े और करीब 9.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी तरह छेड़छाड़ के मामले 289 से बढ़कर 323 हो गए। इसमें 34 मामलों की वृद्धि दर्ज की गई, जो करीब 11.8 प्रतिशत है। वर्ष 2024 में छेड़छाड़ के 277 मामले दर्ज हुए थे। वहीं, सामूहिक दुष्कर्म का वर्ष 2026 में एक मामले सामने आया, जबकि 2025 में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ था। वर्ष 2024 में सामूहिक दुष्कर्म के तीन मामले सामने आए थे। ये आंकड़े बताते हैं कि महिला सुरक्षा की चुनौती केवल एक श्रेणी तक सीमित नहीं है। अपहरण, दुष्कर्म और छेड़छाड़ जैसे अपराधों में बढ़ोतरी रोकने के लिए पुलिस को कार्रवाई के साथ-साथ प्रभावी रोकथाम पर भी ध्यान देना होगा।

आठ डीसीपी और विशेष अधिकारी, फिर भी चुनौती बरकरार

भोपाल में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने के लिए आठ एसपी रैंक के अधिकारी डीसीपी के पद पर तैनात हैं। इसके अलावा दो डीआईजी रैंक के अधिकारी अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर और एक आईजी रैंक के अधिकारी पुलिस कमिश्नर के रूप में कार्यरत हैं। महिला अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस मुख्यालय की ओर से एसपी रैंक और डीएसपी रैंक के विशेष अधिकारियों को भी महिला अपराध से जुड़े दायित्व दिए गए हैं। इसके बावजूद दर्ज मामलों में हुई बढ़ोतरी यह सवाल उठाती है कि मौजूदा व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाने के लिए किन कदमों की जरूरत है।

कागजी दावों से आगे ठोस कार्रवाई जरूरी

सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक आरके सिंह के अनुसार, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के मामलों की जांच सर्वोच्च प्राथमिकता पर की जाती है। जांच पूरी होने के बाद न्यायालय में शीघ्र चालान पेश करने का प्रयास किया जाता है। पुलिस महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के लिए अभियान चलाती है। स्कूलों में बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में जानकारी देने तथा पुलिसकर्मियों को संवेदनशील बनाने के प्रयास भी किए जाते हैं। हालांकि, अपराधों में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए केवल जागरूकता अभियान और व्यवस्थाओं के दावों से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

श्रमोदय मेस घोटाला: ईओडब्ल्यू की सुस्ती पर सवाल

भोपाल के बाद अब इंदौर में 1 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

श्रमोदय विद्यालयों में मेस भुगतान से जुड़े कथित वित्तीय घोटाले में अब इंदौर के मामले भी जांच के दायरे से बाहर रहने के आरोप लगे हैं। पीड़ित कंपनी का दावा है कि भोपाल में करीब 1.55 करोड़ रुपये के कथित गबन के अलावा श्रमोदय विद्यालय, इंदौर में भी लगभग एक करोड़ रुपये की वित्तीय क्षति हुई है। इसके बावजूद आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने अब तक इंदौर से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन की जांच शुरू नहीं की है। मामले में मुख्य आरोपित गौरव शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका भी भोपाल न्यायालय खारिज कर चुका है।

पीड़ित कंपनी के अधिवक्ता शुभांक दीक्षित और अंकुर पांडेय के अनुसार गौरव शर्मा इंदौर स्थित श्रमोदय विद्यालय में प्रबंधक के पद पर कार्यरत था। कंपनी ने 24 दिसंबर 2025 को ईओडब्ल्यू के नोटिस के जवाब में इंदौर में हुई कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े तथ्य प्रस्तुत किए थे। इसके बावजूद इस मामले को अब तक जांच में शामिल नहीं किया गया। अधिवक्ताओं का कहना है कि इंदौर की कथित एक करोड़ रुपये की क्षति भोपाल में दर्ज मामले से अलग है। भोपाल में कथित 1.55 करोड़ रुपये के मेस भुगतान फर्जीवाड़े में ईओडब्ल्यू ने बीती 27 मई को सात लोगों के विरुद्ध



बैंक खातों व लेनदेन की जांच की मांग

अधिवक्ता ने न्यायालय में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 94 के तहत आवेदन देकर संबंधित बैंक खातों के केवाईसी दस्तावेज, खाता खोलने के अभिलेख, प्रमाणित बैंक विवरण, लेनदेन का पूरा रिकार्ड और भुगतान से जुड़े मूल दस्तावेज सुरक्षित कराने की मांग की है। कंपनी को आशंका है कि वित्तीय साक्ष्य समय रहते सुरक्षित नहीं किए गए तो जांच प्रभावित हो सकती है। इस मामले में न्यायालय ने ईओडब्ल्यू को जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई 12 नवंबर को निर्धारित है।

प्राथमिकी दर्ज की थी। कंपनी का आरोप है कि प्राथमिकी दर्ज होने के 90 दिन से अधिक समय बीतने के बाद भी न किसी आरोपित की गिरफ्तारी हुई, न रिमांड मांगी गई और न ही आरोप-पत्र प्रस्तुत किया गया। मुख्य आरोपित की अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद भी कंपनी जांच की गति पर सवाल उठा रही है।

वन्दे मातरम शिविर में बोले मंत्री परमार

युवाओं के संकल्प से विश्व की ताकत बनेगा 2047 का भारत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य युवाओं की राष्ट्रभक्ति, सकारात्मक सोच और कर्तव्यनिष्ठा से साकार होगा। युवा शक्ति ही भारत को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाकर विश्व मंच पर अग्रणी बनाएगी। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष्य मंत्री इन्दर सिंह परमार ने रविवार को भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल में आयोजित सात दिवसीय 'वन्दे मातरम' शिविर के समापन समारोह में कही। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के उपक्रम 'मेरा युवा भारत' के तत्वावधान में आयोजित शिविर में देश के छह राज्यों से आए युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मंत्री परमार ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया, उनकी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का उत्साहवर्धन किया और उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई।



वन्दे मातरम ने जगाया राष्ट्रीय स्वाभिमान

मंत्री परमार ने कहा कि 'वन्दे मातरम' केवल राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, त्याग, समर्पण, स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता की शाश्वत प्रेरणा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित इस गीत ने जनमानस में राष्ट्रभक्ति का भाव जगाया और स्वतंत्रता संग्राम में कई ऊर्जा दी। इसके 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इसकी प्रासंगिकता और बढ़ गई है। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से प्राप्त आजादी को अधुणन रखते हुए उनके सपनों का भारत बनाना हमारी जिम्मेदारी है।

टीईटी के लिए अब शिक्षकों की लिस्टिंग की तैयारी

जिला-संभागवार सूची से तय किए जाएंगे परीक्षा केंद्र, शहरी-ग्रामीण अलग-अलग रखेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब आवेदकों की लिस्टिंग की तैयारी है। माध्यमिक शिक्षा मंडल कर्मचारी चयन मंडल से आवेदन करने वाले शिक्षकों की सूची मिलने के बाद उनकी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के हिसाब से लिस्टिंग कराएगा। इसमें यह देखा जाएगा कि किस जिले और संभाग से कितने शिक्षकों ने आवेदन किया है और उनमें कितने शहरी क्षेत्रों में पदस्थ हैं तथा कितने ग्रामीण इलाकों में। इसी सूची के आधार पर परीक्षा केंद्रों की संख्या और उनके स्थान तय करने पर निर्णय लिया जाएगा। करीब डेढ़ लाख संभावित शिक्षकों में से केवल 34,200 ने ही परीक्षा के लिए आवेदन किया है। दो बार आवेदन की तारीख बढ़ाने के बाद भी संख्या में खास इजाफा नहीं हुआ। अब आवेदकों की वास्तविक संख्या के आधार पर परीक्षा की तैयारी आगे बढ़ेगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सितंबर में शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी। आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 11 अक्टूबर थी। कुल आवेदकों में करीब 20 हजार सरकारी स्कूलों के शिक्षक और 14 हजार निजी स्कूलों के शिक्षक बताए जा रहे हैं।



जिला-संभागवार लिस्टिंग के बाद तय होंगे परीक्षा केंद्र

आवेदकों की सूची मिलने के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल उनकी पदस्थापना और क्षेत्र के आधार पर जानकारी तैयार करेगा। लिस्टिंग में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों की संख्या अलग-अलग दर्ज की जाएगी। इसके साथ ही जिले और संभाग के हिसाब से भी आवेदकों का ब्योरा तैयार होगा। इससे यह तय करने में मदद मिलेगी कि किस क्षेत्र में कितने परीक्षा केंद्रों की जरूरत होगी। परीक्षा की तारीख और केंद्रों के निर्धारण को लेकर दशहरा के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव बुद्धेश वैद्य और लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह सहित संबंधित अधिकारियों की बैठक प्रस्तावित है। इसमें आवेदकों की संख्या, उनकी क्षेत्रवार स्थिति और परीक्षा कराने के लिए जरूरी व्यवस्थाओं पर चर्चा होगी। बैठक में परीक्षा की तारीख तय करने पर भी विचार किया जाएगा। इसके बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल परीक्षा कार्यक्रम घोषित करेगा।

32 हजार से अधिक पदों पर पदोन्नति का इंतजार

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के 32 हजार से अधिक पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया शिक्षक पात्रता परीक्षा के इंतजार में है। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सरकारी शिक्षकों को रिक्त पदों की उपलब्धता के आधार पर पदोन्नति मिलने की संभावना है। विभागीय स्तर पर जनवरी में परिणाम आने की स्थिति में पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। हालांकि, पदोन्नति की वास्तविक स्थिति परीक्षा परिणाम और उपलब्ध रिक्त पदों पर निर्भर करेगी। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात के बाद 22 दिसंबर तक आंदोलन स्थगित कर चुका अध्यात्म शिक्षक संयुक्त मोर्चा पात्रता परीक्षा नहीं कराने की मांग पर कायम है। संगठन चाहता है कि विधानसभा में संकल्प पारित कर तमिलनाडु सरकार की तर्ज पर केंद्र सरकार को कानून में बदलाव का प्रस्ताव भेजा जाए।

पूर्व मंत्री ने सज्जन वर्मा ने सरकार को घेरा, बोले-

भाजपा में मंत्रियों की नहीं सुन रहे अफसर शिवराज से लेकर शुक्ल तक का किया जिक्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार में मंत्रियों और अधिकारियों के बीच तालमेल को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। रीवा पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने अफसरशाही के मुद्दे पर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब भाजपा के मंत्री ही शिकायत कर रहे हैं कि अधिकारी उनकी बात नहीं सुनते। वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और मंत्री कैलाश

विजयवर्गीय का उल्लेख करते हुए सवाल उठाया कि जब सत्तारूढ़ दल के वरिष्ठ नेताओं की बात भी अधिकारी नहीं सुन रहे हैं, तो सरकार में कामकाज किस तरह



लेकिन स्थिति में बदलाव नहीं आया। इस पर कटाक्ष करते हुए वर्मा ने कहा, कैलाश जी भी 3 बार शिकायत कर चुके हैं और अपना रोना रो चुके हैं।

अफसरशाही पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

सज्जन सिंह वर्मा ने इस मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनके बयान का केंद्र यह रहा कि यदि मंत्रियों की बात अधिकारियों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच रही या उस पर कार्रवाई नहीं हो रही, तो इसका असर शासन के कामकाज पर भी पड़ सकता है। प्रदेश में मंत्रियों और अधिकारियों के बीच अधिकारों, निर्णय प्रक्रिया और प्रशासनिक कामकाज को लेकर समय-समय पर चर्चाएं होती रही हैं।

मेट्रो एंकर

उडी प्रोजेक्शन, संग्रहालय और लाइट एंड साउंड शो से जीवंत होगी जीवनगाथा

150 करोड़ से निखरेगा लोकमाता अहिल्याबाई का गौरव

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन, न्यायप्रियता, सुशासन और जनसेवा के गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से भव्य स्मारक विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को लालबाग पैलेस के समीप निर्माणाधीन लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर स्मारक का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्मारक का विकास ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर किया जाए। परियोजना के पहले चरण में 40 करोड़ रुपये के कार्य किए जाएंगे। स्मारक को इस तरह विकसित करने की योजना है कि यहां आने वाले पर्यटक लोकमाता के जीवन



और उनके सुशासन की परंपरा से परिचित होने के साथ इंदौर की ऐतिहासिक विरासत को भी करीब से देख सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि लालबाग पैलेस, रामपुर कोठी, चंपा बावड़ी और शिव मंदिर को एकीकृत विकास योजना में शामिल किया जाए। इससे पर्यटक एक ही भ्रमण के दौरान इन सभी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन कर सकेंगे। उन्होंने कहा

कि विकास कार्यों में भवनों के मूल स्थापत्य स्वरूप और ऐतिहासिक महत्व से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। संरक्षण के साथ आवश्यक सुविधाओं का विकास भी सुनिश्चित किया जाए, ताकि पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके। प्रवेश मार्ग और परिसर की रूपरेखा भी आगंतुकों की सुविधा के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिए गए।

पारंपरिक तकनीक से संवर रही रामपुर कोठी

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक रामपुर कोठी में चल रहे जीर्णोद्धार कार्यों का भी अवलोकन किया। भवन की पुरातन पहचान को सुरक्षित रखने के लिए बाहरी दीवारों का संरक्षण पारंपरिक चूना तकनीक से किया जा रहा है। साथ ही छतों पर जलरोधक कार्य भी कराया जा रहा है, जिससे भवन को सुरक्षित रखा जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करने और प्रगति की जानकारी उन्हें लगातार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे करने पर जोर दिया। यह स्मारक पुराने आरटीओ भवन और रामपुर कोठी की भूमि पर विकसित

किया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन, न्यायप्रियता, सुशासन, जनकल्याण और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में उनके योगदान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना है। स्मारक में आधुनिक तकनीक के माध्यम से लोकमाता के जीवन और कार्यों को रोचक तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके लिए डिजिटल प्रस्तुतियां, 3डी प्रोजेक्शन, चित्र, भित्तिचित्र, लाइट एंड साउंड शो और संग्रहालय विकसित किए जाएंगे। इन माध्यमों से पर्यटक उनके जनकल्याणकारी कार्यों, न्याय व्यवस्था, प्रशासनिक दक्षता और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रयासों को जान सकेंगे।

डि जिटल युग में पत्रकारिता का दायरा बढ़ा है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता आज भी तथ्यों, विवेक और नैतिक साहस पर निर्भर है। लोकतंत्र में पत्रकारिता को चौथा स्तंभ कहा जाता है। उसका दायित्व केवल समाचार पहुंचाना नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल पृष्ठना और जनता की आवाज को उचित मंच देना भी है। आज स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचाने का अवसर दिया है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का विस्तार है, लेकिन सूचना प्रसारित करने की क्षमता ही पत्रकारिता की योग्यता का प्रमाण नहीं हो सकती। पत्रकारिता के

लिए तथ्यों की पड़ताल, विश्वसनीय स्रोत, संदर्भों की समझ और जवाबदेही आवश्यक हैं। सोशल मीडिया पर व्यूज और संस्क्राइबर लोकप्रियता तो दर्शा सकते हैं, लेकिन विश्वसनीयता की गारंटी नहीं देते। यदि किसी सामग्री के पीछे राजनीतिक या आर्थिक प्रयोजन है, तो उसकी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। स्वतंत्र पत्रकारिता और प्रचार के बीच अंतर स्पष्ट रहना जरूरी है। पत्रकारिता की निष्पक्षता पर बहस में एक विडंबना यह भी है कि सरकार की आलोचना करने वाले को निर्भीक और सरकार की

उपलब्धियां बताने वाले को 'गोदी मीडिया' कह दिया जाता है। जबकि सरकार के अच्छे कार्यों को सामने रखना और उसकी कमियों पर सवाल उठाना, दोनों पत्रकारिता के वैध दायित्व हैं। असली कसौटी यह है कि पत्रकार सत्ता और विपक्ष, दोनों के लिए समान मानदंड अपनाता है या नहीं। प्रेस क्लब जैसे संस्थानों में भी असहज सवालों का सम्मान होना चाहिए। असहमति लोकतंत्र की ताकत है। सवाल पूछने वाले को अपमानित करने के बजाय तर्कपूर्ण उत्तर देना स्वस्थ सार्वजनिक संवाद की पहचान है। नीट परीक्षा विवाद,

चुनावी प्रक्रिया पर उठने वाले सवाल और आंदोलनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई जैसे मामलों में आरोपों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। किसी आरोप को बिना प्रमाण स्वीकार करना और राजनीतिक असहमति के कारण उसे खारिज करना, दोनों अनुचित हैं। इसी तरह, पत्रकारिता की डिग्री उपयोगी हो सकती है, लेकिन निष्पक्षता का अंतिम प्रमाण पत्रकार का काम ही है। स्थानीय पत्रकारिता के लिए भी यही कसौटी महत्वपूर्ण है। सड़क, अस्पताल, पेयजल, रोजगार और नागरिक सुविधाओं से जुड़े सवालों को प्रमुखता देना समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी है।

बाल ठाकरे पर छह साल की पाबंदी, राहुल गांधी के भाषण और कानून का सवाल...



आलोक मेहता

वरिष्ठ पत्रकार

भा रतीय लोकतंत्र में राजनीतिक नेताओं को सरकार की आलोचना करने, धार्मिक-सामाजिक विचारों पर बहस करने और चुनाव आयोग से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने का पूरा अधिकार है। लेकिन क्या इस अधिकार की कोई सीमा नहीं है? क्या चुनाव जीतने के लिए धर्म और जाति की भावनाओं को उभारना, विरोधी समुदाय के प्रति शत्रुता पैदा करना या संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध आक्रामक राजनीतिक अभियान चलाना भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्र के नाम पर उचित ठहराया जा सकता है?

ये प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत में पहले भी एक प्रमुख राजनीतिक नेता को चुनावी आचरण के मामले में छह साल के लिए अयोग्य ठहराया गया था। वह नेता थे शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे। आज कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषणों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), हिंदुत्व, जातिगत टिप्पणियों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत तथा चुनाव आयोग को लेकर उनके राजनीतिक अभियान के संदर्भ में भी यही सवाल उठाया जा सकता है कि कानून की कसौटी सभी नेताओं के लिए समान है या नहीं ?

बाल ठाकरे की मिसाल वर्तमान विवादों और आंदोलनों में दिलचस्प तथा महत्वपूर्ण है। शायद राहुल गांधी और उनकी सलाहकार सहयोगी मंडली उसे भूल रहे हैं। 11 दिसंबर 1995 को सर्वोच्च न्यायालय ने डॉ. रमेश यशवंत प्रभू बनाम प्रभाकर काशीनाथ कुंटे मामले में अपना फैसला सुनाया। यह मामला महाराष्ट्र विधानसभा के 1987 के विले पालें उपचुनाव से जुड़ा था। शिवसेना के उम्मीदवार डॉ. रमेश प्रभू की ओर से प्रचार करते हुए बाल ठाकरे ने 29 नवंबर, 9 दिसंबर और 10 दिसंबर 1987 को भाषण दिए थे। इन भाषणों में हिंदू धर्म के आधार पर समर्थन जुटाने और धार्मिक समुदायों के बीच शत्रुता बढ़ाने से संबंधित आरोप चुनाव याचिका में लगाए गए थे। बॉम्बे हाई कोर्ट ने संबंधित आरोपों को सिद्ध माना था और सर्वोच्च न्यायालय ने उस निर्णय के विरुद्ध अपीलों पर सुनवाई करते हुए उसे बरकरार रखा। 1?

इस मामले में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123(3) और 123(3) निर्णायक थीं। पहली धारा मॉगने से संबंधित है। दूसरी धारा चुनावी लाभ के लिए इन आधारों पर नागरिकों के विभिन्न वर्गों के बीच शत्रुता या घृणा बढ़ाने अथवा उसका प्रयास करने को भ्रष्ट आचरण मानती है।

इस मामले की एक विशेष बात यह है कि ठाकरे स्वयं उस चुनाव में उम्मीदवार नहीं थे। फिर भी चुनाव अभियान में उनकी भूमिका और उम्मीदवार की सहमति से किए गए प्रचार के आधार पर उन्हें भ्रष्ट आचरण के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। न्यायालय ने उन्हें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 99 के अंतर्गत नामित किया। बाद में धारा 8A की प्रक्रिया के तहत उनकी छह वर्ष की अयोग्यता का मामला चला।

इस ऐतिहासिक मामले से एक महत्वपूर्ण सिद्धांत सामने आता है: चुनावी राजनीति में किसी नेता की जिम्मेदारी केवल उसके अपने चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं रहती। कानून में निर्धारित शर्तें पूरी होने पर किसी उम्मीदवार के समर्थन में काम करने वाला व्यक्ति भी जवाबदेह हो सकता है। राहुल गांधी और कुछ कांग्रेसी पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा, आरएसएस और हिंदुत्व की राजनीतिक व्याख्या की आलोचना करते रहे हैं। साथ ही वे जातिगत भेदभाव बढ़ाने वाली बातें अपने राजनीतिक अभियान का हिस्सा बनाते हैं।

संदर्भ में जुलाई 2024 के उनके भाषण के दौरान हिंदू धर्म, भाजपा और कथित हिंसा के संबंध में दिए गए वक्तव्यों पर विवाद हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ने भाषण के कुछ अंश सदन की कार्यवाही से हटाए। राहुल गांधी ने अपनी टिप्पणियों का बचाव किया, जबकि सत्ता पक्ष ने उन पर आपत्ति जताई। यह विवाद राजनीतिक विमर्श की प्रकृति पर सवाल अवश्य उठाता है, लेकिन सत्ता की कार्यवाही से किसी टिप्पणी को हटाया जाना अपने आप में चुनावी भ्रष्ट आचरण सिद्ध नहीं करता। इसके लिए संबंधित कानून के तहत अलग से

आवश्यक तथ्य और साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। यहाँ मूल अंतर समझना आवश्यक है। हिंदुत्व की विचारधारा, आरएसएस की नीतियों, प्रधानमंत्री के निर्णयों या किसी धार्मिक-राजनीतिक संगठन के प्रभाव की आलोचना करना अपने आप में अपराध नहीं है। इसी तरह जातिगत असमानता पर चर्चा, आरक्षण की माँग या सामाजिक न्याय के लिए राजनीतिक अभियान चलाना भी लोकतांत्रिक अधिकारों का हिस्सा हो सकता है। लेकिन नेताओं, अधिकारियों, पत्रकारों आदि की जातियों पर सवाल उठाकर एक तरह से नफ़रत पैदा कर रहे हैं।

लेकिन यदि किसी विशेष भाषण में किसी समुदाय के विरुद्ध घृणा या शत्रुता बढ़ाने का प्रयास किया गया हो, अथवा चुनाव में किसी उम्मीदवार को जिताने या हारने के लिए कानून द्वारा निषिद्ध धार्मिक या जातीय बयानबाजी करने पर मामला दर्ज किया जा सकता है। इसलिए राहुल गांधी के विरुद्ध कोई कानूनी कार्रवाई के लिए किसी व्यक्ति या संगठन को भाषणों की पूरी रिकॉर्डिंग, सटीक शब्द, तारीख,



स्थान, चुनाव से उसका संबंध और लागू कानून के आवश्यक तत्वों को प्रमाणित करना होगा।

यह सप्ताह यानी विजय दशमी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्थापना दिवस है। संघ ने 2025 में अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे किए। इस अवसर पर संगठन ने अपनी विचारधारा, सामाजिक गतिविधियों और भविष्य की योजनाएं बनाई। संघ का भारतीय राजनीति और सामाजिक जीवन पर प्रभाव लंबे समय से सार्वजनिक बहस का विषय रहा है। राहुल गांधी आरएसएस की विचारधारा, उसके सामाजिक दृष्टिकोण और भाजपा के साथ उसके संबंधों की आलोचना करते हैं। दूसरी ओर, आरएसएस और भाजपा के समर्थक इसे अपनी सांस्कृतिक तथा राजनीतिक मान्यताओं पर हमला मान सकते हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर भी इसी प्रकार तीखी राजनीतिक बहस होती। राहुल गांधी कहते हैं कि आरएसएस की विचारधारा संविधान की उनकी समझ से मेल नहीं खाती, या वे मोदी सरकार की नीतियों को गलत बताते हैं, तो ऐसी राजनीतिक आलोचना को केवल अप्रिय या कठोर भाषा के आधार पर प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। लेकिन वह या उनके सहयोगी कांतिशिट वक्तव्य कानून के तहत निषिद्ध घृणा, हिंसा के उकसावे या चुनावी भ्रष्ट आचरण की आवश्यक शर्तें पूरी करता है, तो कानूनी कार्रवाई हो सकती है।वैसे यही नियम भाजपा अथवा किसी कट्टरपंथी नेताओं पर भी लागू हो सकता है।

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8A के अनुसार, चुनावी भ्रष्ट आचरण के लिए सक्षम न्यायिक प्रक्रिया में दोषी ठहराए गए व्यक्ति की अयोग्यता का प्रश्न निर्धारित प्रक्रिया से राष्ट्रपति के समक्ष जाता है, जहाँ चुनाव आयोग की राय भी ली जाती है। कानून के अंतर्गत अधिकतम छह वर्ष की अयोग्यता का प्रावधान है।इसका अर्थ यह नहीं है कि कोई भी नागरिक सर्वोच्च न्यायालय में याचिका देकर किसी नेता पर छह साल की पाबंदी लगाव सकता है। याचिका दायर करना, आरोपों की जाँच होना, भ्रष्ट आचरण सिद्ध होना और वैधानिक अयोग्यता लागू होना अलग-अलग चरण हैं।बाल ठाकरे के मामले में भी एक स्थापित चुनावी मुकदमे, विशिष्ट भाषणों, न्यायिक निष्कर्षों और उसके बाद की वैधानिक प्रक्रिया का महत्व था। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं होगा कि किसी नेता के भाषण से समाज में तनाव पैदा हुआ, इसलिए उसे उसी तरह दंडित कर दिया जाए।राहुल गांधी के मामले में भी यदि कोई व्यक्ति ऐसा कदम उठाना चाहता है, तो उसे पहले यह पहचानना होगा कि संबंधित भाषण किस कानून का उल्लंघन करता है और किस संस्थागत प्राधिकारी के समक्ष उचित कार्यवाही उपलब्ध है। यदि आरोप किसी चुनाव में धर्म या जाति के आधार पर वोट माँगने अथवा समुदायों के बीच

निष्पक्षता और जवाबदेही

उपलब्धियां बताने वाले को 'गोदी मीडिया' कह दिया जाता है। जबकि सरकार के अच्छे कार्यों को सामने रखना और उसकी कमियों पर सवाल उठाना, दोनों पत्रकारिता के वैध दायित्व हैं। असली कसौटी यह है कि पत्रकार सत्ता और विपक्ष, दोनों के लिए समान मानदंड अपनाता है या नहीं। प्रेस क्लब जैसे संस्थानों में भी असहज सवालों का सम्मान होना चाहिए। असहमति लोकतंत्र की ताकत है। सवाल पूछने वाले को अपमानित करने के बजाय तर्कपूर्ण उत्तर देना स्वस्थ सार्वजनिक संवाद की पहचान है। नीट परीक्षा विवाद,

चुनावी प्रक्रिया पर उठने वाले सवाल और आंदोलनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई जैसे मामलों में आरोपों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। किसी आरोप को बिना प्रमाण स्वीकार करना और राजनीतिक असहमति के कारण उसे खारिज करना, दोनों अनुचित हैं। इसी तरह, पत्रकारिता की डिग्री उपयोगी हो सकती है, लेकिन निष्पक्षता का अंतिम प्रमाण पत्रकार का काम ही है। स्थानीय पत्रकारिता के लिए भी यही कसौटी महत्वपूर्ण है। सड़क, अस्पताल, पेयजल, रोजगार और नागरिक सुविधाओं से जुड़े सवालों को प्रमुखता देना समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी है।

नैरेटिव की आभासी लड़ाई और विपक्ष की विश्वसनीयता का संकट

रजनीश अग्रवाल

भाजपा नेता, सांसद



भा रत में विपक्ष आज गंभीर विश्वसनीयता के संकट से गुजर रहा है। लगातार जिस प्रकार के विषय, विचार और मुद्दे विपक्ष उठा रहा है, वे न तो तर्कसंगत हैं और न ही तथ्यपरक। आम आदमी की बुनियादी सुविधाओं से लेकर आकांक्षी भारत की अपेक्षाओं और देश की नीतिगत चुनौतियों तक, विपक्ष प्रभावी भूमिका में दिखाई नहीं देता। जनता के वास्तविक प्रश्नों पर ठोस विकल्प देने के बजाय वह नैरेटिव की ऐसी आभासी लड़ाई में उलझा है, जिसकी बुनियाद कई बार तथ्यों से अधिक मात्र राजनीतिक आरोपों पर दिखाई देती है।लोकतंत्र में सरकारों की समीक्षा बहुत होती है लेकिन विपक्ष की नहीं।देश ने विपक्ष को संवैधानिक भूमिका सौंप रखी है। विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता। संकट तब और गहरा जाता है जब अपनी यह भूमिका निभाना तो दूर बल्कि विपक्ष का नेतृत्व हठधर्मी हो जाए एवं उसपर सामंती अहंकार सवार हो। देश को अराजकता पर धकेलने का प्रयास होता है।

स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक कांग्रेस स्वयं या विभिन्न दलों के समर्थन से केंद्र की सत्ता में रही। देश की आर्थिक नीतियों, बजट, प्रशासनिक व्यवस्था और विकास की दिशा तय करने में उसकी निर्णायक भूमिका रही। बीच में गैर-कांग्रेसी सरकारें भी आईं, लेकिन कई दशकों तक राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का प्रभुत्व रहा।



इसलिए उसके लंबे शासन की उपलब्धियों के साथ उसकी विफलताओं और नीतिगत निर्णयों की जवाबदेही से भी उसे बचाया नहीं जा सकता। समय के साथ भ्रष्टाचार के आरोप, प्रशासनिक अकर्मण्यता, नीतिगत असमंजस और नेतृत्व

से जुड़े प्रश्न राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आए। जनता के बीच असंतोष बढ़ा और कांग्रेस का राजनीतिक आधार कमजोर होता गया।

2014 में इस असंतोष ने निर्णायक रूप लिया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया और केंद्र में भाजपा नीत सरकार बनी। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक व्यवस्था के प्रति जनता के बदलते रझान का स्पष्ट संकेत था। यहीं से विपक्ष के सामने आत्ममंथन का अवसर था। चुनावी पराजय के कारणों को समझना, संगठन और नेतृत्व की कमियां को स्वीकार करना तथा जनता के सामने नई नीतियां और नए विकल्प के साथ जाना किसी भी लोकतांत्रिक दल का स्वाभाविक रास्ता होना चाहिए। विपक्ष के एक हिस्से ने इसके बजाय चुनावी जनादेश पर ही प्रश्न उठाने शुरू कर दिए। माइनॉरिटीरियन डेमोक्रेसी, पोस्ट ट्रुथ पॉलिटिक्स, मेनूप्रैक्चरड वेब जैसे शब्द गढ़ कर 2014 के जनादेश को झुठलाने का प्रयास हुआ।

बाद में ईवीएम के बहाने नए जनादेश को ग़लत बताया जाने लगा। चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्न उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है लेकिन गंभीर आरोपों को प्रमाणित करना भी उतना ही आवश्यक है। निर्वाचन आयोग ने ईवीएम में कथित छेड़छाड़ को प्रदर्शित करने का अवसर राजनीतिक दलों को दिया। इसके बावजूद आज तक ऐसा कोई प्रमाणित मामला सामने नहीं आया जिसने यह सिद्ध किया हो कि देश के चुनावों में ईवीएम के माध्यम से व्यवस्थित रूप से जनादेश बदला गया।

अब इस बार चुनाव आयोग को ही संदिग्ध बनाने के कार्य किया जा रहा है। एसआईआर के बहाने या कभी किसी अख़बार की खबर के आधार पर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न खड़े कर एक संवैधानिक संस्था को बिना किसी साक्ष्य के संदिग्ध बनाकर स्वयं नेतृत्व और अपने दल की घोर पराजय से मुंह छिपाया जा रहा है। यहाँ तक कि इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट को ही कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है।

विपक्ष की समस्या यहीं समाप्त नहीं होती। सरकार की नीतियों से असहमति उसका लोकतांत्रिक अधिकार और दायित्व है लेकिन केवल विरोध किसी राजनीतिक दल को विकल्प नहीं बनाता। आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनावी राजनीति और सरकार का विमर्श बदला है। नागरिक बेहतर सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा के साथ आधुनिक बुनियादी ढाँचा, तकनीक, निवेश के नए अवसर पर चर्चा करता है। इन प्रश्नों पर विपक्ष की अपनी स्पष्ट नीति और रोडमैप क्या है। यह अधिक महत्वपूर्ण सवाल है।

जनादेश का सम्मान, अपनी पराजय का आत्ममंथन, आरोपों के स्थान पर प्रमाण, नैरेटिव के स्थान पर नीति और विरोध के स्थान पर विकल्प। यही किसी भी विपक्ष को जनता के बीच फिर से विश्वसनीय बना सकता है। लोकतंत्र में जनता अंतिम निर्णायक है। विपक्ष को तय करना होगा कि वह केवल सरकार का विरोध करना चाहता है या वास्तव में देश के सामने एक विश्वसनीय विकल्प बनना चाहता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

नाव भी तूफान से ऐसी धिरी दूर दोनों ही किनारे हो गए



प्रदीप कश्यप
गुल खिले सुंदर नजारे हो गए।
खुब पतझड़ के खसारे हो गए।
दोस्ती हम से पुरानी तोड़ कर।
दोस्त दुश्मन के वे सारे हो गए।
जुल्म ज़ालिम ने किए ये खूब तब।
दोस्तों के जब इशारे हो गए।
नाव भी तूफान से ऐसी धिरी दूर दोनों ही किनारे हो गए।
जो मुसाफ़िर रात भर चलता र हा।
साथ उसके चाँद तारे हो गए।
आँखें वे रात को फिर लौट कर।
दिन में जो गायब सितारे हो गए।
दोस्ती कश्यप रही जिन से घनी।
बेवफ़ा वे यार सारे हो गए।

यूर्स गाइड

लैपटॉप पर पानी गिर जाए तो तुरंत न करें ऑन, शार्ट सर्किट होने का खतरा

लैपटॉप पर पानी या चाय-कॉफी जैसा कोई तरल पदार्थ गिर जाए, तो घबराहट में उसे तुरंत चालू करके जांचना सबसे बड़ी गलती साबित हो सकती है। बाहर से लैपटॉप सूखा दिखाई देने के बावजूद उसके अंदर नमी रह सकती है। बिजली का संपर्क होने पर इससे शॉर्ट-सर्किट हो सकता है और अंदर के पुर्जों को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए ऐसी स्थिति में सबसे जरूरी है कि लैपटॉप को तुरंत बिजली से अलग किया जाए और उसे दोबारा चालू करने की जल्दबाजी न की जाए।

सबसे पहले करें ये जरूरी काम: यदि लैपटॉप चार्जर से जुड़ा है, तो सुरक्षित तरीके से बिजली का संपर्क बंद करके चार्जर निकाल दें। लैपटॉप चालू है, तो उसे बंद कर दें। उसके बाद मुलायम, सूखे कपड़े से बाहर दिखाई देने वाले पानी को धीरे-धीरे पोछें। कीबोर्ड पर पानी गिरा है, तो लैपटॉप को जोर से हिलाने या बटन दबाकर जांचने से बचें। इससे तरल पदार्थ अंदर के हिस्सों तक पहुंच सकता है। यदि बैटरी आसानी से निकाली जा सकती है और इसे निकालने में कोई जोखिम

नहीं है, तो निर्देशों के अनुसार ऐसा किया जा सकता है। हालांकि, आजकल कई लैपटॉप में बैटरी अंदर लगी होती है। ऐसे में खुद लैपटॉप खोलने के बजाय तकनीकी विशेषज्ञ की मदद लेना बेहतर है।

कुछ तकनीकी रिपोर्टों में कम मात्रा में पानी गिरने पर लगभग एक दिन और अधिक नमी होने पर तीन से चार दिन तक सुखाने का सुझाव दिया गया है। लेकिन यह कोई निश्चित समय-सीमा नहीं है। लैपटॉप के अंदर कितनी नमी पहुंची है, पानी कहाँ गिरा है और तरल पदार्थ किस तरह का है, इससे फर्क पड़ता है। केवल दो-तीन दिन इंतजार कर लेने से यह सुनिश्चित नहीं होता कि उपकरण पूरी तरह सूख गया है।यदि पानी कीबोर्ड के भीतर चला गया है या लैपटॉप अधिक भीग गया है, तो उसे चालू करने से पहले अधिकृत सेवा केंद्र या तकनीकी विशेषज्ञ से जांच कराना सुरक्षित विकल्प है। पानी सूख जाने के बाद भी उसके साथ मौजूद खनिज या अन्य पदार्थ अंदर के पुर्जों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।



अजब - गजब

ट्रैफिक जाम से बचने के लिए शरुस उड़कर जाता है रोज ऑफिस, 20 मिनट में सफर

सुबह ऑफिस जाने के समय सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतार लग जाए, तो अच्छे-अच्छों का मूड खराब हो जाता है। कहीं कारों के हॉर्न सुनाई देते हैं, तो कहीं बस और मेट्रो में जगह पाने के लिए लोगों को मशक्कत करनी पड़ती है। कई बार घर से समय पर निकलने के बावजूद लोग ट्रैफिक जाम में फंस जाते हैं और ऑफिस पहुंचने में देर हो जाती है। लेकिन अमेरिका के एक शख्स ने आने-जाने का ऐसा अनोखा तरीका अपनाया है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं। वह सड़क पर गाड़ी चलाने के बजाय आसमान में उड़कर अपने काम पर पहुंचता है। उसका यह अनोखा सफर सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है।

दरअसल, इस शख्स का नाम जैकब हटज़लर (Jacob Hutzler) है। वह अमेरिका के कोलोराडो में रहते हैं और पेशे से एयर ट्रैफिक कंट्रोलर हैं। जैकब रोजाना ऑफिस जाने के लिए पैरामोटर का इस्तेमाल करते हैं। इससे उन्हें सड़क के ट्रैफिक में फंसने की चिंता नहीं करनी पड़ती और वह करीब 20 मिनट में अपने कार्यस्थल के पास पहुंच जाते हैं। जैकब ने इंस्टाग्राम

पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने घर से उड़ान भरने से लेकर ऑफिस के पास पहुंचने तक का अपना सफर दिखाया है। वीडियो में वह पैरामोटर तैयार करते हैं, उसके पंख को फैलाते हैं, मोटर की जांच करते हैं और फिर उड़ान भर लेते हैं। आसमान में आगे बढ़ते हुए वह एयर ट्रैफिक टावर से संपर्क भी करते हैं। अगस्त में साझा किए गए इस



वीडियो को लाखों लोग देख चुके हैं। उनका यह तरीका लोगों के लिए कोतूहल का विषय बना हुआ है। **क्या होता है पैरामोटर, जिससे हवा में उड़ते हैं जैकब?** : जैकब के इस अनोखे सफर को समझने से पहले पैरामोटर के बारे में जानना जरूरी है। यह पैराग्लाइडिंग का एक रूप है, जिसमें कपड़े के बड़े पंख के साथ पीठ पर बांधी जाने वाली मोटर और प्रोपेलर का

इस्तेमाल किया जाता है। मोटर से मिलने वाले जोर की मदद से व्यक्ति हवा में आगे बढ़ सकता है। सामान्य परिस्थितियों में इसके लिए हवाई जहाज की तरह रनवे की जरूरत नहीं होती। हालांकि, उड़ान भरने के लिए उपयुक्त खुली जगह, अनुकूल मौसम और सुरक्षित परिस्थितियां जरूरी होती हैं।

महाकाली स्वरूप में नजर आए भगवान भोलेनाथ, दर्शन को उमड़े श्रद्धालु



तेंदूखेड़ा। नगर के पंचवटी मंदिर में नवरात्रि पर्व के दौरान भगवान भोलेनाथ का प्रतिदिन आकर्षण का केंद्र बना रहा। इसी क्रम में भगवान शिव का महाकाली स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही रही और श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मंदिर में प्रतिदिन अलग-अलग स्वरूपों में भगवान का श्रृंगार किया जा रहा है। महाकाली स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। भगवान का सिंगार श्रीमती प्रज्ञा कटारे द्वारा किया गया।



नगर के वार्ड क्रमांक 3 यादव मुहल्ला में विराजी मां आदिशक्ति ।



वार्ड क्रमांक 8 गौशाला के पास विराजी तेंदूखेड़ा की महाकाली ।



सेवा सहकारी बैंक में विराजी मां मात ।



वार्ड क्रमांक 3 साहू धर्मशाला में विराजमान मां जगदंबा ।



वार्ड क्रमांक 4 छोटी खेरमाई मंदिर के पास विराजी मां आदिशक्ति की झांकी ।



वार्ड क्रमांक 11 रेस्ट हाउस के पास विराजी मां आदिशक्ति ।

दोपहर मेट्रो

भैंस चोरी की फिराक में घूम रहे आधा दर्जन लोगों को पुलिस ने पकड़ा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

खेत से दो भैंस चोरी होने के मामले में तेंदूखेड़ा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन विधि-विवादित बालकों को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो देशी मुर्ग भैंस, एक इन्ट्रा पिकअप और एक स्विफ्ट कार जब्त की है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम दौनी निवासी चंदन यादव (32) ने 17 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात करीब 2:30 बजे उसके खेत से दो भैंस चोरी हो गईं। पुलिस ने अपराध क्रमांक 410/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी, अतिरिक्त

तेंदूखेड़ा पुलिस की कार्रवाई, दो भैंसों समेत पिकअप और स्विफ्ट कार जब्त



पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया और एसडीओपी अर्चना अहीर के मार्गदर्शन में टीम ने आरोपियों की तलाश की। सिंग्रामपुर चौकी पुलिस के सहयोग से मोहम्मद सरफराज, अफसर अंसारी, तबरेज कुरैशी और इमरान खान को गिरफ्तार किया गया। तीन विधि-विवादित बालकों को भी

अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस ने एमपी 13 जेडएल 2795 नंबर की पिकअप और एमपी 20 सीई 3506 नंबर की स्विफ्ट कार जब्त की। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई में तेंदूखेड़ा पुलिस, सिंग्रामपुर चौकी और साइबर सेल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रात में गश्त, सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस

क्षेत्र में भैंस चोरी और अन्य वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार गश्त कर रही थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दो वाहनों को अधिग्रहित कर 16 अक्टूबर की रात से ही क्षेत्र में गश्त कराई जा रही थी। इसी दौरान भैंस चोरी की शिकायत सामने आने पर तेंदूखेड़ा पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी। सिंग्रामपुर चौकी पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और तीन विधि-विवादित बालकों को अभिरक्षा में लिया गया।

इन पुलिसकर्मीयों की रही अहम भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सरोज ठाकुर, उप निरीक्षक संजय सिंह, प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी, सल्लिम खान और नरेंद्र ठाकुर सहित आरक्षक विशाल बैन, नीरज नामदेव, कुंवर सिंह, विजय दीक्षित, नंदलाल कुर्मी और रणधीर दांगी शामिल रहे। नगर रक्षा समिति के सदस्य सलीम खान ने भी सहयोग किया। सिंग्रामपुर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक गणेश दुबे, प्रधान आरक्षक रामगोपाल अहिरवार, आरक्षक उवेश खान और साइबर सेल के प्रधान आरक्षक राकेश अड्डा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बरेली में पदस्थ थे अजय धाकड़, कार में मिले दोनों बेटों के शव पटवारी ने क्यों ट्रेन से कटकर जान दी, अभी तक कारण स्पष्ट नहीं

नर्मदापुरम/पिपरिया दोपहर मेट्रो

पिपरिया रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। बरेली में पदस्थ पटवारी अजय धाकड़ (43) ने ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद स्टेशन परिसर की पार्किंग में खड़ी उनकी कार से दोनों बेटों समर्थ (15) और शिवाय (11) के शव बरामद हुए। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तीनों की मौत के कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हैं।

पुलिस के अनुसार, अजय धाकड़ ने इटारसी से जबलपुर की ओर जा रही संघमित्रा एक्सप्रेस के सामने आकर जान दी। सूचना पर जीआरपी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। तलाश के दौरान पार्किंग में उनकी बलैनी कार मिली। कार की जांच करने पर दोनों बच्चों के शव मिले। कार की चाबी अजय के पास थी। जीआरपी थाना प्रभारी लक्ष्मण प्रसाद के अनुसार, अजय की पत्नी ने बताया कि वह बच्चों को फिल्म दिखाने पिपरिया ले जाने की बात कहकर घर से निकले थे। घटनाक्रम कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है। अजय के चाचा प्रताप सिंह धाकड़ ने बताया कि उनकी मानसिक स्थिति कुछ समय से ठीक नहीं थी और भोपाल में उपचार चल रहा था। वह नौकरी के काम के दबाव से परेशान रहते थे। एएसपी अभिषेक राजन और मंगलवारा थाना प्रभारी आदित्य सेन के अनुसार, पुलिस पारिवारिक परिस्थितियों सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद तीनों के शव परिजनों को सौंप दिए गए।



फिल्म देखने की बात कहकर निकले

परिजनों के अनुसार, अजय धाकड़ घर से दोनों बेटों को पिपरिया में फिल्म दिखाने ले जाने की बात कहकर निकले थे। इसके बाद पिपरिया रेलवे स्टेशन पर उन्होंने ट्रेन के सामने आकर जान दे दी। घटना की सूचना मिलने पर जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस को स्टेशन परिसर की पार्किंग में खड़ी उनकी बलैनी कार से दोनों बच्चों के शव मिले। इस घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े किए हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घर से निकलने के बाद क्या हुआ और तीनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच और परिजनों के बयानों का इंतजार है।

नौकरी के दबाव से परेशान होने की बात आई सामने

अजय धाकड़ के चाचा प्रताप सिंह धाकड़ ने बताया कि अजय की मानसिक स्थिति कुछ समय से ठीक नहीं थी और उनका भोपाल में उपचार भी चल रहा था। चाचा के अनुसार, पटवारी की नौकरी में काम के अधिक दबाव को लेकर वह परेशान रहते थे और कई बार अपनी परेशानी साझा कर चुके थे। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस घटना के पीछे किसी कारण की पुष्टि नहीं की है। एएसपी अभिषेक राजन और मंगलवारा थाना प्रभारी आदित्य सेन के अनुसार, मामले की जांच जारी है। पुलिस पारिवारिक परिस्थितियों, परिजनों के बयान और अन्य पहलुओं की पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

जयकारों के बीच आज मां

जगदंबा को विदाई,

झांकियों का होगा सम्मान

नवमी पर हवन-पूजन, कन्या भोज और भंडारों की धूम



औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

शारदीय नवरात्र की नवमी पर नगर सहित अंचल में भक्ति और उत्साह का माहौल है। नौ दिनों तक मां जगदंबा की आराधना के बाद आज विभिन्न दुर्गा पंडालों में यज्ञ, हवन और पूर्णाहुति के साथ माता रानी को भावभीनी विदाई दी जाएगी। नवमी पर कन्या पूजन और विशाल भंडारों का आयोजन हो रहा है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण कर रहे हैं।

नवरात्र के दौरान गरबा महोत्सव, महाआरती और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने नगर को भक्तिमय बनाए रखा। ऐतिहासिक दशहरा पर्व की परंपरा के तहत उत्सव समिति द्वारा झांकियों की साज-सज्जा, अनुशासन और सांस्कृतिक आयोजनों के आधार पर उनका मूल्यांकन कर सम्मानित किया जाएगा। श्रद्धालु मां से सुख-समृद्धि की कामना करते हुए विदाई की तैयारियों में जुटे हैं।

महाअष्टमी पर कन्याओं में दिखी मां दुर्गा की छवि, पूजन कर कराया भोज



औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर हिरानिया स्थित प्रेम-गंगा भवन में कन्या पूजन एवं भोज का आयोजन किया गया। जयप्रकाश शर्मा मित्र मंडल, भोजपुर विधानसभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नगर की छोटी-छोटी कन्याओं सहित माताओं और बहनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

कार्यक्रम में विधि-विधान से कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

की। इस अवसर पर जयप्रकाश शर्मा ने कहा कि महाअष्टमी भारतीय संस्कृति और आस्था का महत्वपूर्ण पर्व है। सनातन परंपरा में कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर पूजन किया जाता है। ऐसे आयोजन धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ कन्या सम्मान और सामाजिक संस्कारों का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम समाज में आपसी सद्भाव और एकता को मजबूत करते हैं। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को नवरात्रि की शुभकामनाएं भी दीं।

मेट्रो एंकर

तेंदूखेड़ा में पांच दिवसीय श्रीरामलीला उत्सव का तीसरा दिन रहा भावपूर्ण, देर रात तक जुटे रहे दर्शक

दशरथ वियोग से भरत मिलाप तक छलके भाव, सीता हरण ने बढ़ाया रोमांच

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के पीडब्ल्यूडी मैदान में संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय श्रीरामलीला उत्सव के तीसरे दिन रामायण के मार्मिक प्रसंगों का मंचन किया गया। राजा दशरथ का देवलोक गमन, भरत मिलाप और सीता हरण के दृश्यों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। देर रात तक मैदान में श्रद्धालुओं और रामलीला प्रेमियों की भीड़ जुटी रही।

मंचन की शुरुआत श्रीराम के वनवास के बाद पुत्र वियोग में व्याकुल राजा दशरथ के प्रसंग से हुई। उनके देवलोक गमन के दृश्य ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसके बाद भरत के अयोध्या लौटने, पिता के निषेध की जानकारी मिलने और श्रीराम को वापस लाने के लिए



चित्रकूट पहुंचने का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। भरत मिलाप में भाइयों के प्रेम, त्याग और कर्तव्य की भावना ने दर्शकों का मन मोह लिया। अगले प्रसंग में पंचवटी में स्वर्ण मृग, लक्ष्मण रेखा और साधु वेश में आए रावण द्वारा माता सीता के हरण का जीवंत मंचन किया



गया। इस दृश्य ने दर्शकों को रोमांचित किया। रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श, मर्यादा, त्याग और पारिवारिक मूल्यों का संदेश दिया जा रहा है। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग आयोजन देखने पहुंच रहे हैं।

भरत मिलाप में दिखा भाइयों का अनुपम प्रेम : रामलीला में भरत के अयोध्या लौटने और पिता राजा दशरथ के देवलोक गमन की जानकारी मिलने का प्रसंग भावपूर्ण रहा। इसके बाद भरत भगवान श्रीराम को अयोध्या वापस लाने के लिए वन की ओर प्रस्थान करते हैं। चित्रकूट में

दोनों भाइयों के मिलन का दृश्य कलाकारों ने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रेम, त्याग और कर्तव्य की भावना से ओतप्रोत इस प्रसंग के दौरान पूरा मैदान जय श्रीराम के जयघोष से गुंज उठा। दर्शक भावुक होकर मंचन देखते रहे।

स्वर्ण मृग से सीता हरण तक रोमांचक मंचन : रामलीला के अगले चरण में पंचवटी में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के वनवास जीवन को दर्शाया गया। स्वर्ण मृग के प्रसंग के बाद लक्ष्मण रेखा और साधु के वेश में रावण के आगमन का मंचन हुआ। छलपूर्वक माता सीता के हरण के दृश्य को कलाकारों ने जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इस प्रसंग ने दर्शकों में रोमांच पैदा किया।

न्यूज विंडो

नरसिंहपुर के ऐश्वर्य ने रचा इतिहास राज्यपाल ने दिए दो गोल्ड मेडल



नरसिंहपुर/ग्वालियर। नरसिंहपुर के युवा रंगकर्मी ऐश्वर्य दुबे ने अपनी प्रतिभा से पूरे मध्य प्रदेश में जिले का नाम रोशन किया है। राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर के ससम दीक्षांत समारोह में उन्हें दो गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई छानभाई पटेल ने ऐश्वर्य को यह सम्मान प्रदान किया। ऐश्वर्य ने सत्र 2025-26 में नाट्य एवं रंगमंच संकाय की परीक्षा में विश्वविद्यालय सहित पूरे मध्य प्रदेश में सर्वोच्च अंक हासिल किए। उन्होंने यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के मार्गदर्शन में प्राप्त की। नाट्य एवं रंगमंच के क्षेत्र में नरसिंहपुर शहर को पहली बार स्वर्ण पदक मिलने से जिले में खुशी का माहौल है। ऐश्वर्य की सफलता पर स्थानीय कलाकारों, कला प्रेमियों और श्री शंखनाद सांस्कृतिक कला केंद्र सहित विभिन्न संस्थाओं ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बस के अचानक यू-टर्न से मचा हड़कंप, चार्टर्ड बस टाबे में घुसी



इंदौर। धार रोड पर सवारियों से भरी बस के अचानक यू-टर्न लेने से बड़ा हादसा हो गया। सामने से आ रही चार्टर्ड बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरी और पंजाबी देशी ढाबे में जा घुसी। हादसे में चार्टर्ड बस का चालक गबरराज, निवासी इंदौर, कबिन में फंस गया। उसके पैर में फ्रैक्चर हुआ, जबकि कुछ यात्री भी घायल हो गए। चंदन नगर टीआई तिलक करोले के अनुसार, घटना सुबह करीब सात बजे ग्रीन पार्क कॉलोनी के सामने हुई। धार से इंदौर आ रही चार्टर्ड बस (एमपी 09 एएफ 9237) के सामने गंगवाल बस स्टैंड से धार जा रही छबड़ा ट्रेवल्स की बस (एमपी 11 पी 0842) के चालक संजय गिरवाल ने पेट्रोल पंप की ओर जाने के लिए अचानक यू-टर्न ले लिया। चार्टर्ड बस चालक संभल नहीं पाया और बस ढाबे में घुस गई। सुबह यात्री सो रहे थे, इसलिए अचानक झटके से अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि ढाबा बंद था। डायल-112 ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने लापरवाही के आरोप में संजय गिरवाल को गिरफ्तार कर केस दर्ज किया है।

भाजपा नेता के सूने मकान से 45 हजार नकद, जेवर ले उड़े बदमाश



मुरैना। शहर की कृष्णा बिहार कॉलोनी में चोरों ने भाजपा के प्रदेश विधि प्रकोष्ठ के सह संयोजक और अधिवक्ता लोकेन्द्र सिंह तोमर के बंद मकान को निशाना बनाया। बदमाश 45 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवर समेत करीब चार लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए। वारदात 16 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है। घटना के समय लोकेन्द्र सिंह तोमर के माता-पिता जरूरी काम से गांव गए हुए थे। मकान सूना देखकर चोरों ने मुख्य दरवाजों के ताले तोड़े और अंदर घुस गए। बदमाशों ने घर का सामान खंगालने के बाद कमरे में रखा लोहे का बक्सा तोड़ दिया। उसमें रखे नकदी, सोने की झुमकी, अंगूठी और चांदी की दो जोड़ी पायल लेकर फरार हो गए। परिजनों के लौटने पर चोरी का पता चला। स्टेशन रोड थाना प्रभारी दर्शन शुक्ला के अनुसार, सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फुटेज में बाइक पर जाते कुछ संदिग्ध नजर आए हैं। पुलिस उनकी पहचान कर तलाश में जुटी है।

मेट्रो एंकर

किला मैदान और दशहरा मैदान में रावण दहन की तैयारियां अंतिम दौर में, बारिश से बचाने वाटरप्रूफ पुतले बनाए

धार में दशहरे पर दिखेगा घूमता रावण, दो घंटे तक गूंजेगी आतिशबाजी

धार। दोपहर मेट्रो

असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयादशमी पर्व 20 अक्टूबर को धार में उत्साह के साथ मनाया जाएगा। शहर के किला मैदान और दशहरा मैदान में रावण दहन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बारिश की संभावना को देखते हुए इस बार वाटरप्रूफ पुतले तैयार किए गए हैं। सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति नौगांव अपनी 48 वर्ष पुरानी परंपरा के तहत किला मैदान पर रावण दहन करेगी। इंदौर के कलाकारों ने 15 दिनों की मेहनत से 51 फीट ऊंचा रावण बनाया है। समिति के संयोजक भगतसिंह चौहान के अनुसार, पुतला तीन हिस्सों में तैयार किया गया है, जो चारों दिशाओं में 360 डिग्री घूमेगा



और अट्टहास करता नजर आएगा। किला मैदान पर शाम 7 बजे से करीब दो घंटे तक आतिशबाजी होगी। आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है, जिसे देखते हुए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। जयप्रकाश आर्य मुख्य

अतिथि और योगेन्द्र सिंह बुंदेला कार्यक्रम के अध्यक्ष होंगे। वहीं, नगर पालिका परिषद द्वारा दशहरा मैदान पर भी 51 फीट ऊंचे रावण का दहन किया जाएगा। दोनों स्थानों पर उत्सव को लेकर तैयारियां जारी हैं।

चारों दिशाओं में घूमेगा रावण, करेगा अट्टहास

किला मैदान पर इस बार रावण दहन का नजारा खास रहने वाला है। सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति नौगांव ने 51 फीट ऊंचा रावण तैयार कराया है। इंदौर के कलाकारों ने इसे बनाने में 15 दिन लगाए। पुतले को तीन हिस्सों में बनाया गया है, जो 360 डिग्री घूमेगा। इसके साथ रावण के अट्टहास का दृश्य भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहेगा। बारिश की आशंका को देखते हुए पुतले को वाटरप्रूफ बनाया गया है।

शाम 7 बजे से आतिशबाजी, दशहरा मैदान में भी आयोजन

किला मैदान पर विजयादशमी के दिन शाम 7 बजे से रंगारंग आतिशबाजी शुरू होगी, जो करीब दो घंटे तक चलेगी। आयोजन में धार शहर के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोगों के पहुंचने की संभावना है। वहीं, नगर पालिका परिषद ने दशहरा मैदान पर भी 51 फीट ऊंचे रावण के दहन की तैयारी की है। दोनों स्थानों पर पारंपरिक उत्सव को लेकर आयोजक जुटे हुए हैं।

नगर की खुशहाली के लिए अनूठी परंपरा, 40 से अधिक देवी-भैरव मंदिरों में हो रही पूजा

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

धर्मनगरी उज्जैन में महाअष्टमी पर आज नगर की सुख-समृद्धि, खुशहाली और रक्षा की कामना से पारंपरिक नगर पूजा की जा रही है। करीब 2100 वर्ष पुरानी इस परंपरा के तहत 27 किलोमीटर लंबे मार्ग पर मदिरा की धार लगाई जा रही है। नगर के 40 से अधिक देवी और भैरव मंदिरों में पूजा-अर्चना कर नारियल, तेल, सिंदूर, ध्वजा सहित अन्य सामग्री अर्पित की जा रही है।

सुबह कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने चौबीस खंभा स्थित महामाया और महालया माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर मदिरा अर्पित की और नगर पूजा का शुभारंभ किया। इसके बाद शासकीय दल विभिन्न मंदिरों में पूजन कर रहा है। मान्यता है कि



सम्राट विक्रमादित्य ने नगर की रक्षा और समृद्धि के लिए इस परंपरा की शुरुआत की थी। बाद में सिंधिया रियासत ने इसे आगे बढ़ाया। आजादी के बाद से शासन की ओर से इसका निर्वहन किया जा रहा है। नगर पूजा करीब 12 घंटे चलती है, जिसमें

रीवा के खड्डा टोल प्लाजा के पास हादसा, एक की हालत गंभीर

मैहर से लौट रहे परिवार की बोलेरो को स्कूल बस ने मारी टक्कर, 9 घायल

रीवा। दोपहर मेट्रो

जिले में आज सुबह खड्डा टोल प्लाजा के पास स्कूल बस और बोलेरो की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बोलेरो सवार सीधी जिले के नौ लोग घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्कूल बस सिंगरीली की बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों की मदद की और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार, बोलेरो में सवार परिवार मैहर में दर्शन करने के बाद अपने घर सीधी लौट रहा था। इसी दौरान खड्डा टोल प्लाजा के पास सामने से आ रही स्कूल बस से उसकी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो में सवार लोगों को चोटें आईं। घायलों की पहचान रामजीत सोंधिया, प्रांशु सोंधिया, रानी सोंधिया, संगीता सोंधिया, हनुमान सोंधिया, उमेश तिवारी, रामवती मौर्य, निर्मला सोंधिया और मुन्नालाल सोंधिया के रूप



झपकी आने से टक्कर की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, स्कूल बस चालक को झपकी आने के कारण बोलेरो से टक्कर होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने हादसे की वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। दुर्घटना के बाद दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि टक्कर किन परिस्थितियों में हुई। घायलों में आठ की हालत स्थिर बताई गई है, जबकि एक गंभीर घायल का उपचार जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

में हुई है। आठ घायलों की हालत स्थिर बताई गई है, जबकि एक का गंभीर हालत में इलाज जारी है। प्रारंभिक जानकारी में स्कूल बस चालक को झपकी आने से हादसा होने की आशंका जताई गई

है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

दर्शन कर लौट रहा था परिवार, रास्ते में हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, बोलेरो में सवार सभी लोग सीधी जिले के निवासी हैं और मैहर में दर्शन करने के बाद घर लौट रहे थे। सोमवार सुबह खड्डा टोल प्लाजा के पास उनकी बोलेरो सामने से आ रही स्कूल बस से टकरा गई। टक्कर के बाद बोलेरो सवारों में चीख-पुकार मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल मदद करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे में नौ लोग घायल हुए हैं। इनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी जुटाई और आगे की जांच शुरू की।

महाअष्टमी पर उज्जैन की सुख-समृद्धि के लिए नगर पूजा, कलेक्टर ने माता को लगाया मदिरा का भोग

20 से अधिक शासकीय कर्मचारी शामिल हैं।

2100 साल पुरानी परंपरा, विक्रमादित्य से जुड़ी मान्यता

उज्जैन की नगर पूजा को प्राचीन धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। मान्यता के अनुसार, सम्राट विक्रमादित्य ने नगर की रक्षा और सुख-समृद्धि के लिए इस परंपरा की शुरुआत की थी। बाद में सिंधिया रियासत ने इसे जारी रखा। स्वतंत्रता के बाद शासन की ओर से नगर पूजा का निर्वहन किया जा रहा है। महाअष्टमी पर होने वाले इस अनुष्ठान में देवी और भैरव मंदिरों में पूजन कर नगर के मंगल की कामना की जाती है।

हरसिद्धि मंदिर में भी होगी शासकीय पूजा

शक्तिपीठ हरसिद्धि मंदिर में दोपहर 12 बजे शासकीय पूजा प्रस्तावित है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह सपत्नीक माता हरसिद्धि की पूजा-अर्चना करेंगे और देवी को सोभाग्य सामग्री अर्पित करेंगे। नगर पूजा के दौरान 27 किलोमीटर लंबे मार्ग पर मदिरा की धार लगाई जाती है। इस परंपरा में 25 लीटर से अधिक मदिरा के उपयोग और 40 से अधिक देवी-भैरव मंदिरों में पूजा से अतिरिक्त है। पूरे आयोजन में 20 से अधिक शासकीय कर्मचारी शामिल हैं।

रील बनाने के दौरान खुला झूले का गेट, हवा में उछलकर गिरे दो लोग जबलपुर के गोलबाजार मेले में हादसा, बच्ची को ज्यादा चोट



जबलपुर। दोपहर मेट्रो

गोलबाजार में नवरात्र मेले के दौरान रविवार रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया। तेज गति से घूम रहे झूले का गेट अचानक खुलने से आशीष यादव और पल्लवी नाम की बालिका नीचे गिरकर घायल हो गए। बताया जा रहा है कि पल्लवी झूले में बैकफ़र मोबाइल से रील बना रही थी। हादसे के समय झूले में करीब 20 लोग सवार थे।

घटना के बाद मेले में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने दोनों घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया। पल्लवी को अपेक्षाकृत अधिक चोट आई है, हालांकि दोनों की हालत गंभीर नहीं बताई जा रही है। घटना के बाद झूले के गेट की लॉकिंग और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। आशंका है कि लापरवाही या तकनीकी खराबी के कारण गेट खुला। परिजनों की शिकायत पर लार्डगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बगलामुखी मंदिर के पास चार और निर्माण तोड़ने पर हाई कोर्ट की रोक

कोर्ट ने कलेक्टर और? राज्य सरकार से दो सप्ताह में मांगा जवाब

इंदौर। दोपहर मेट्रो

आगर-मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर के पास निजी जमीन पर बनी यज्ञशालाओं को हटाने के मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने चार और जमीन मालिकों को राहत दी है। रविवार को अवकाश के बावजूद न्यायमूर्ति पवन कुमार द्विवेदी की विशेष पीठ ने मामलों की सुनवाई करते हुए अगली सुनवाई तक संबंधित निर्माणों पर तोड़फोड़ सहित किसी भी तरह की कार्रवाई पर रोक लगा दी। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यज्ञ, हवन और पूजन की व्यवस्था के उद्देश्य से निजी जमीन पर अस्थायी ढांचे बनाए गए हैं। इन्हें हटाने के लिए नलखेड़ा नगर परिषद ने नोटिस

जारी किए थे। इससे पहले शनिवार को भी हाई कोर्ट ने ऐसे चार मामलों में परिषद के नोटिस पर रोक लगाई थी। अधिवक्ता गौरव श्रीवास्तव और परितोष श्रीवास्तव के अनुसार, नगर परिषद ने 12 अक्टूबर को नोटिस जारी किए थे, जो याचिकाकर्ताओं को 16 अक्टूबर की शाम मिले। इनमें 48 घंटे के भीतर निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे। परिषद ने बिना अनुमति और भवन अनुज्ञा के निर्माण करने तथा अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने का हवाला दिया था। याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट को बताया गया कि जमीन निजी स्वामित्व की है और निर्माण की अनुमति के लिए आवेदन भी किया गया था। कोर्ट ने नगर परिषद, कलेक्टर और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है।

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म, मैनेजर पर केस दर्ज

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

नौकरी की तलाश में जबलपुर आई 28 वर्षीय महिला ने निजी फाइनेंस कंपनी के मैनेजर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। गोरखपुर पुलिस ने कांचघर निवासी सचिन गुप्ता के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, महिला का पति से विवाद चल रहा था और मामला तलाक तक पहुंच गया था। इसके बाद वह अपने बेटे की बेहतर परवरिश और नौकरी की तलाश में जबलपुर आई। इसी दौरान नेपियर टाउन स्थित एक फाइनेंस कंपनी में उसकी मुलाकात सचिन से हुई। महिला का आरोप है कि सचिन ने उससे शादी करने का वादा किया था। वर्ष 2022 में तलाक होने के

बाद सचिन ने उसे गौरीघाट मार्ग पर किराए का मकान दिलाया, जहां वह उसके साथ रहने लगी।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम खातून बाई (KHATUNA BAI) था जो कि अब बदल कर खातून बाई (KHATUN BAI) हो गया अतः अब भविष्य में मुझे खातून बाई (KHATUN BAI) के नाम से जाना एवं पहचाना जाए पति हमीद खान , पता : ग्राम जंजालखेड़ी खंख-डिस्ट्रिक्ट कन्नौद देवास मध्य प्रदेश 455332 मोबाइल नं. 9589937307

भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर में बढ़ी प्रतिस्पर्धा

3 से नंबर-6 पर पहुंचे तिलक, अब फिनिशर बनकर जिताएंगे मैच

बंगलूरु, एजेंसी

भारतीय टी20 टीम में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने मध्यक्रम का समीकरण बदल दिया है। कभी तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले तिलक वर्मा अब छठे नंबर पर उतरकर टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभाने को तैयार हैं। तिलक ने स्पष्ट किया है कि उनके लिए बल्लेबाजी क्रम से ज्यादा महत्वपूर्ण देश के लिए मैच जीतना है। टीम की जरूरत के अनुसार अपनी भूमिका बदलने को तैयार तिलक ने माना कि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभालने और मैच खत्म करने के लिए अधिक समय मिलता है, जबकि छठे नंबर पर परिस्थितियां पूरी तरह अलग होती हैं। इसके बावजूद वह इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच

टी20 सीरीज समाप्त होने के बाद तिलक वर्मा ने अपनी बल्लेबाजी की भूमिका और टीम के संयोजन पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि तीसरे से छठे नंबर तक बल्लेबाजी की जिम्मेदारी बदलना आसान नहीं है, लेकिन वह इस चुनौती का आनंद लेते हैं। उनके लिए टीम के हित में किसी भी क्रम पर खेलना और दबाव के समय मैच को जीत तक पहुंचाना सबसे अहम है। तिलक ने कहा कि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए मैच समाप्त करना अपेक्षाकृत आसान होता है, क्योंकि बल्लेबाज को पारी के हालात समझने और अपनी रणनीति बनाने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। इसके विपरीत छठे नंबर पर उतरने वाले बल्लेबाज को कम गेंदों में तेजी से रन बनाने और मुश्किल परिस्थितियों में टीम को संभालने की जरूरत पड़ती है।

शीर्ष क्रम में जगह के लिए बढ़ी दावेदारी

भारतीय टी20 टीम में इस समय शीर्ष क्रम के कई दावेदार हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, वैभव सूर्यवंशी और तिलक वर्मा जैसे बल्लेबाजों की मौजूदगी ने टीम प्रबंधन के सामने खिलाड़ियों की भूमिका तय करने की चुनौती बढ़ा दी है। टीम संयोजन के अनुसार अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन को शीर्ष क्रम में अवसर मिल रहे हैं, जबकि कप्तान भी बल्लेबाजी क्रम में अपनी निर्धारित भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में तिलक को मध्यक्रम में खुद को साबित करने के साथ जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही है। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में नीतीश रेड्डी, नमन धीर और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ियों को अवसर मिलने से बल्लेबाजी के विकल्प भी बढ़े हैं। हालांकि, ज्यादा बल्लेबाजों की मौजूदगी के बीच गेंदबाजी संयोजन को संतुलित रखना भी टीम प्रबंधन के लिए अहम होगा।

मैदान के हर कोने में शॉट खेलने का भरोसा

तिलक वर्मा का मानना है कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव के लिए तकनीक के साथ मानसिक तैयारी भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह मैदान के चारों ओर शॉट खेलने में सक्षम हैं और टीम की जरूरत के अनुसार अपनी बल्लेबाजी में बदलाव कर सकते हैं। उनका दावा है कि किसी दूसरे क्रम पर खेलने के लिए खुद को ढालने में उन्हें केवल एक दिन के अभ्यास की जरूरत होती है।

है। इनके इस बयान से संकेत मिलता है कि वह अपनी बल्लेबाजी को किसी एक स्थान तक सीमित नहीं रखना चाहते। यह लचीलापन भारतीय टीम को अलग-अलग परिस्थितियों में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने का विकल्प दे सकता है। सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए तिलक ने कहा कि हर मुकाबले में 200 से अधिक रन बनाना टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने नमन धीर की गेंदबाजी को भी बड़ी उपलब्धि बताया। नमन ने सीरीज में पांच विकेट हासिल किए। तिलक ने अनुसर, दबाव के समय दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ ऑफ स्पिन गेंदबाजी करना और विकेट निकालना टीम के लिए उपयोगी साबित हुआ। इससे भारतीय टीम को गेंदबाजी में भी एक अतिरिक्त विकल्प मिला है।

हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशना छोड़ो! गावस्कर ने टीम इंडिया को दी दो टूक सलाह, गेंदबाजी पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने हार्दिक पांड्या की जगह दूसरे खिलाड़ी को तलाशने की कोशिशों पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि हार्दिक जैसे खिलाड़ी का विकल्प ढूंढना आसान नहीं है। ऐसे में भारतीय टीम को किसी एक खिलाड़ी की हूबहू नकल तलाशने के बजाय ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहिए, जो अपनी अलग भूमिका निभाते हुए टीम की जरूरतों को पूरा कर सकें। गावस्कर ने साथ ही भारतीय टीम की गेंदबाजी को मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि बल्लेबाजी क्रम को लंबा करने के चक्कर में गेंदबाजी से समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवां और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला शनिवार रात बंगलूरु में बारिश के कारण रद्द हो गया था। इस मुकाबले के बाद गावस्कर ने टीम संयोजन पर अपनी राय रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय टीम को चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरना चाहिए और पांचवें तथा छठे गेंदबाजी विकल्प के रूप में ऐसे ऑलराउंडरों को शामिल करना चाहिए, जो बल्ले से भी उपयोगी योगदान दे सकें।

हार्दिक जैसा खिलाड़ी मिलना मुश्किल, विकल्प पर न करें जोर- गावस्कर के मुताबिक, भारतीय टीम हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशने में जरूरत से ज्यादा समय और ऊर्जा खर्च कर रही है। हार्दिक अपनी बल्लेबाजी, तेज गेंदबाजी और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता के कारण टीम के लिए अहम हैं। ऐसे में उनके जैसा खिलाड़ी मिलना आसान नहीं है।

नमन धीर और अक्षर पटेल का दिया उदाहरण

पूर्व कप्तान ने नमन धीर का उदाहरण देते हुए बताया कि टीम में ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है, जो अपनी मुख्य भूमिका के साथ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी निभा सकें। नमन बल्लेबाजी के साथ दो-तीन ओवर गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं। इससे टीम को गेंदबाजी में एक अतिरिक्त विकल्प मिल सकता है। गावस्कर ने नमन के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि वह अपने ओवर अच्छी तरह कर रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने अक्षर पटेल का भी उल्लेख किया, जो अपने चार ओवर पूरे करने के साथ बल्लेबाजी में योगदान देने की क्षमता रखते हैं।

आठवें नंबर तक बल्लेबाजी के चक्कर में कमजोर न हो गेंदबाजी

गावस्कर ने भारतीय टीम की रणनीति पर सबसे अहम सवाल उठाते हुए कहा कि आठवें नंबर तक बल्लेबाजी की क्षमता रखने वाली टीम बनाने के प्रयास में गेंदबाजी कमजोर नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, केवल बल्लेबाजी की गहराई बढ़ाना जीत की गारंटी नहीं है। यदि गेंदबाजी में पर्याप्त विकल्प और प्रभाव नहीं होगा, तो मजबूत बल्लेबाजी भी कई बार टीम को जीत नहीं दिला पाएगी। उन्होंने कहा, जब आप आठवें नंबर तक बल्लेबाजी लेकर उतरते हैं, तो अपनी गेंदबाजी को कमजोर कर देते हैं और इसी वजह से आपको हार का सामना करना पड़ता है। हालांकि, बारिश के कारण रद्द हुए मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन का आकलन नहीं हो सका। गावस्कर ने कहा कि नौ ओवर के इस मुकाबले में गेंदबाज किस तरह प्रदर्शन करते, यह देखना दिलचस्प होता।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

शादी के बाद अमेरिका में हाउसवाइफ बन गई थीं माधुरी दीक्षित, पति के लिए सुबह बनाती थीं नाश्ता

मुंबई। बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपनी एकदम अलग शान से लालखो लोणों का दिल जीता। हालांकि, शादी के बाद एक्ट्रेस ने अपनी जिंदगी में बड़ा बदलाव किया और पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ अमेरिका रिपट हो गईं। उस दौरान माधुरी ने घर संभालने से लेकर पति के लिए सुबह जल्दी उठकर नाश्ता बनाने तक की जिम्मेदारी निभाई। एक्ट्रेस ने दिग्गज अभिनेत्री सिमी प्रेवाल के चैट शो में अपनी मैरिड लाइफ से जुड़ी कई बातें शेयर की थीं। सिमी प्रेवाल के साथ बातचीत में माधुरी ने बताया कि वह पति श्रीराम नेने के लिए सुबह साढ़े पांच बजे उठकर नाश्ता बनाती थीं। उस समय उनके पति कॉर्डियोवैस्कुलर सर्जरी करते थे और उन्हें अपने तय ऑपरेशन के लिए जल्दी अस्पताल निकलना पड़ता था। ऐसे में वह सुबह उठकर उनके लिए नाश्ता तैयार करती थीं और फिर कुछ देर आराम करने के लिए वापस सो जाती थीं। अमेरिका में अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए माधुरी ने कहा था, मेरे पति सर्जरी करते थे, तब मैं उनके लिए नाश्ता बनाती थी। मैं

सुबह साढ़े पांच बजे उठती थी और उनके लिए नाश्ता तैयार करती थी। इसके बाद वह काम पर चले जाते थे और मैं कुछ देर के लिए वापस सो जाती थी। मैंने उस जिंदगी के हर पल को एंजॉय किया।

माधुरी की बात कर्ते तो उन्होंने 17 अक्टूबर 1999 को दक्षिणी कैलिफोर्निया में डॉ. श्रीराम नेने के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों से शादी की थी। शादी के बाद एक्ट्रेस पति के साथ अमेरिका में रहने लगीं। इस कपल ने साल 2003 में अपने पहले बेटे एरिन का स्वागत किया। इसके दो साल बाद 2005 में उनके घर दूसरे बेटे रायन का जन्म हुआ। शादी के बाद माधुरी ने कुछ समय तक फिल्मों से दूरी बनाए रखी। हालांकि, साल 2007 में उन्होंने म्यूजिकल एंटरटेनर फिल्म आजान चले से बॉलीवुड में वापसी की। इसके बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों और टीवी की दुनिया में फिर से अपनी पहचान बनाई। हाल ही में वह ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म मां बहन में नजर आईं।

कश्मीरा ने शुरू किया दूसरा डायरेक्शनल प्रोजेक्ट, बोलीं- सपना सच होते देख गर्व महसूस हो रहा

थी। मुझे अपने सपने को सच होते देखकर गर्व महसूस हो रहा है।+ उन्होंने कहा कि वे सपनों के सच होने में विश्वास करती हैं। कश्मीरा ने लिखा, सपनों पर विश्वास करो, वे सच होते हैं। ऐसा तब होता है जब आप अपनी आंखें खोलते हैं, अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलते हैं और विश्वास रखते हैं। ग्रीस में फिल्मिंग सिर्फ लोकेशन चॉइस नहीं है, यह हमारी कहानी में एक किरदार है। इस कूट, इस पल और अपनी तरह से कहानियां कहने की हिम्मत के लिए आभारी हूं।+

कश्मीरा ने अपने लंबे समय के बॉम्बेड कृष्णा अभिषेक से साल 2013 में शादी की थी। दोनों की मुलाकात श्याम सोनी द्वारा निर्देशित

एक्ट्रेस और फिल्ममेकर कश्मीरा शाह ने अपने करियर में एक नया अध्याय शुरू किया है। उन्होंने एक स्वतंत्र फिल्ममेकर के तौर पर अपने दूसरे डायरेक्शनल प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। कश्मीरा ने इंस्टाग्राम पर अपनी इस जर्नी की झलकियां शेयर कीं, जो ग्रीस से हैं। उन्होंने बताया कि ग्रीस में शूटिंग सिर्फ लोकेशन का चुनाव नहीं है, बल्कि यह कहानी का एक किरदार है। इंस्टाग्राम पर कैप्शन में कश्मीरा ने लिखा, एक स्वतंत्र फिल्ममेकर के तौर पर अपने दूसरे डायरेक्शन के साथ इस नए चैप्टर की शुरुआत करना बहुत ही रोमांचक लग रहा है और सच कहूं तो मैं इसे किसी और तरीके से नहीं चाहती

वैश्विक आर्थिक जोखिम अभी बने हुए हैं, आईएमएफ ने दी चेतावनी

स्थिरता को पक़ा नहीं माना जा सकता, क्योंकि सरकारों एक साथ कई भू-राजनीतिक और वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रही हैं। समिति ने कहा, +वैश्विक अर्थव्यवस्था ने हाल के झटकों का सामना उम्मीद से बेहतर तरीके से किया है, लेकिन इसे हमेशा ऐसा ही मान लेना ठीक नहीं होगा। सऊदी अरब के वित्त मंत्री मोहम्मद अल-जदान की अध्यक्षता में जारी इस बयान में चल रहे संघर्षों के आर्थिक नतीजों, अंतरराष्ट्रीय सप्लाय चेन में रुकावटों और कमजोर देशों पर बढ़ते दबाव का जिक्र किया गया। समिति ने कहा कि युद्ध और संघर्षों बयान में इंटरनेशनल मॉनेटरी एंड फाइनैंशियल कमिटी ने कहा कि आर्थिक

असर गरीब देशों पर पड़ रहा है। समिति ने चेतावनी दी कि बढ़ती भू-राजनीतिक तनाव अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को और बाधित कर सकते हैं, वस्तुओं की कीमतें बढ़ा सकते हैं और ऊर्जा तथा खाद्य असुरक्षा की स्थिति को और खराब कर सकते हैं। यह आकलन ऐसे समय में आया है जब वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीतियों और लंबे समय तक चलने वाले संघर्षों के वित्तीय नतीजों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। समिति ने कहा कि लगातार झटकों के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था में काफी हद तक स्थिर विकास बना रहा है, लेकिन सरकारों की आगे आने वाली बाधाओं को झेलने की क्षमता कमजोर हो गई है।

कैंसर की दवाएं होंगी अधिक किफायती सरकार ने ट्रेड मार्जिन पर लगाई सीलिंग

नई दिल्ली। कैंसर मरीजों के लिए बड़ी राहत की खबर है। सरकार ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य के 30 प्रतिशत पर सीमित कर दिया है। नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के इस फैसले से कई कैंसर की दवाओं की कीमत 70 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद है। यह कदम रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग के तहत ट्रेड मार्जिन रेशनलाइजेशन (का हिस्सा है, जिसका मकसद वितरण भ्रंशवला में अत्यधिक मार्जिन को रोकना है। सभी निर्माताओं को गजट अधिसूचना के प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर एनपीपीए को अपनी संशोधित कीमतों के बारे में सूचित करना होगा। संशोधित कीमतें 9 नवंबर 2026 से प्रभावी होंगी। निर्माताओं को अपनी वेबसाइट पर मूल्य सूची प्रदर्शित करनी होगी और सभी खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को इसकी जानकारी देनी होगी। सभी खुदरा

विक्रेता और अस्पताल 9 नवंबर 2026 से कम कीमतें वसूल करेंगे और अपनी फार्मसियों में संशोधित कीमतों को प्रदर्शित करेंगे। अस्पताल भी अपनी वेबसाइटों पर संशोधित कीमतों को प्रमुखता से दिखाएंगे। उपभोक्ता संशोधित कीमतों की जांच के लिए फार्मा सही दाम ऐप और एनपीपीए वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं। सरकार का कहना है कि कैंसर रोधी दवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाकर यह पहल मरीजों और उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ को कम करने में मदद करेगी। 137 चिह्नित दवाओं में 20 से अधिक प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली इम्यूनोथेरेपी दवाएं, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली डेनोसुमैब, कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपेनिया को रोकने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पेगफिलग्रास्टिम और कोलन, अंडाशय और सर्वाइकल कैंसर के इलाज के लिए स्वीकृत बेवासिजुमैब शामिल हैं।

न्यूज विंडो

उत्तराखंड: डॉ. ढाल सिंह ने ली राज्यपाल पद की शपथ

देहरादून। उत्तराखंड के नवनियुक्त राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ले ली है। लोक भवन में आयोजित समारोह में उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने उन्हें शपथ दिलाई। इससे पहले मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने राष्ट्रपति की ओर से जारी नियुक्ति अधिपत्र पढ़ा। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के पिपरिया में 14 मई 1952 को जन्मे डॉ. ढाल सिंह बिसेन चिकित्सक और कृषक हैं। वह भारतीय जनता पार्टी से जुड़े रहे हैं और मध्य प्रदेश की राजनीति में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वह 1990 से 2008 के बीच चार बार मध्य प्रदेश विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। वे विभिन्न विभागों में कैबिनेट मंत्री भी रहे।

जस्टिस सूर्यकांत ने लद्दाख हाई कोर्ट बेंच का किया उद्घाटन

जम्मू । भारत के मुख्य न्यायाधीश के प्रतिनिधि जस्टिस सूर्य कांत ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट की लद्दाख बेंच का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि लेह और करगिल के वकील जल्द ही इस बेंच के जरिये सुप्रीम कोर्ट तक वचुंअल तरीके से पहुंच सकेंगे। लद्दाख से जुड़े सभी मामलों को एक ही दिन सूचीबद्ध किया जाएगा और उनकी सुनवाई वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी। इस व्यवस्था से वकीलों और मुक्किलों को दिल्ली तक की यात्रा में लगने वाले समय, खर्च और परेशानियों से राहत मिलेगी। जस्टिस कांत ने इस उद्घाटन को एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने 1870 में लेह में एक विशेष अदालत की स्थापना का जिक्र किया, जिसकी भौगोलिक चुनौतियां पीढ़ियों तक बनी रहीं।

सुप्रीम कोर्ट और ईडी के नाम पर बुजुर्ग से 23.46 लाख ठगे

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के फतेहपुर में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। यहां 63 वर्षीय बुजुर्ग को सर्वोच्च न्यायालय और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी बनकर आरोपियों ने कथित जांच के नाम पर धमकाया और 23,46,721 रुपये ठग लिए। आरोपियों ने बुजुर्ग को धनशोधन के मामले में फसाने और उनकी संपत्ति जब्त करने का डर दिखाया। पुलिस को दी शिकायत के अनुसार, 16 सितंबर को पीड़ित के मोबाइल फोन पर एक व्यक्ति का फोन आया। उसने अपना नाम विजय खन्ना बताया और खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया। आरोपी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय से प्रवर्तन निदेशालय को उनके खिलाफ शिकायत मिली है। दिल्ली के केनरा बैंक में उनके नाम से खुले खाते के जरिये धनशोधन किए जाने का आरोप भी लगाया।

शिवा की मौत के मामले में श्रद्धा को नेपाल बॉर्डर पर टूट रही पुलिस

लखनऊ। एजेंसी कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में पुलिस की लचर कार्रवाई पर शासन ने सख्त रुख अपनाया है। फरार मॉडल श्रद्धा दुबे के जारी हो रहे वीडियो के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर रविवार रात आईपीएस अधिकारी डीसीपी सेंट्रल विक्रांत वीर को पद से हटा दिया गया। उनको डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। इसके अलावा पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने हजरतगंज इंस्पेक्टर विक्रम साह को लाइन हजिर कर दिया है। वहीं, फरार श्रद्धा, उसकी बहन रीम और चालक दानिश पर घोषित इनाम की

राशि बढ़ाकर 50-50 हजार रुपये कर दी गई। पहले 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

डीसीपी मध्य विक्रांत वीर ने बताया कि आरोपियों की तलाश में पुलिस की कई टीमें नेपाल सीमा पर मौजूद हैं। पश्चिमी यूपी के एक जिले में भी पुलिस टीम भेजी गई है। अभी तक आरोपियों की सटीक लोकेशन नहीं मिल सकी है। उधर फरार श्रद्धा के चालक दानिश ने बृहस्पतिवार को कोर्ट में सरेंडर करने के लिए अर्जी दाखिल की थी। खुद को बेगुनाह बताते हुए एक मीडिया संस्थान से बातचीत का श्रद्धा का एक और वीडियो सामने आया है।



मेट्रो एंकर

जल्द लॉन्च होगा मिशन, अगस्त-27 तक पहुंचने की उम्मीद, तीन साल तक करेगा अध्ययन

मंगल के चंद्रमा से मिट्टी का सैंपल लाएगा जापानी स्पेसक्राफ्ट

टोक्यो। एजेंसी जापानी अंतरिक्ष एजेंसी (जेएक्सए) मंगल ग्रह के दो चंद्रमाओं में से एक ‘फोबोस’ से मिट्टी के नमूने लाने के दुनिया के पहले ऐतिहासिक मिशन ‘माईशियन मूनस एक्सप्लोरेशन’ (एमएमएक्स) को लॉन्च करने जा रही है। जापानी नेतृत्व वाले इस मिशन का उद्देश्य यह समझना है कि मंगल के चंद्रमा फोबोस और डीमोस का निर्माण कैसे हुआ, सौर मंडल की उत्पत्ति कैसे हुई और क्या कभी मंगल पर सूक्ष्मजीव जीवन मौजूद था।

जेएक्सए का ‘मार्टियन मूनस एक्सप्लोरेशन’ मिशन नए II-3 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जिसके आसत 2027 तक मंगल ग्रह के क्षेत्र में पहुंचने की उम्मीद है। पांच टन वजन की यह स्पेसक्राफ्ट तीन साल तक मंगल के चंद्रमा ‘फोबोस’ का अध्ययन करेगा और दो लैंडिंग के दौरान मिट्टी के नमूने एकत्र करेगा। इसके बाद केवल रिटर्न मॉड्यूल ही धरती पर वापस आएगा। नमूनों से भरा हीट-प्रोटेक्टेड कैप्सूल 2031 में ऑस्ट्रेलिया में उतरेगा, जिसे बाद में जांच के लिए जापान भेजा जाएगा। वैज्ञानिक इस बात की जांच कर रहे हैं कि मंगल के ये गड्ढे से भरे चंद्रमा किसी टक्कर के अवशेष हैं या अंतरिक्ष में पकड़े गए एस्टेरॉयड हैं। जेएक्सए के अनुमान के अनुसार फोबोस से एकत्रित नमूनों में लगभग 0.1% हिस्सा मंगल ग्रह के मटीरियल का होगा। यह मिशन दूसरे चंद्रमा ‘डीमोस’ के पास से भी गुजरेगा। इस स्पेसक्राफ्ट में प्रोपल्शन, एक्सप्लोरेशन और रिटर्न



मॉड्यूल सहित 13 वैज्ञानिक उपकरण शामिल हैं, जिनमें फ्रेंच-जर्मन ‘आईडिफिक्स’ रोवर, नासा का सैंपलिंग उपकरण, गामा-रे इंस्ट्रूमेंट, यूरोपियन स्पेस एजेंसी का संचार तंत्र और जापानी रेडिएशन मॉनिटर मौजूद हैं।

22 महीने में 55वीं बार फटा हवाई का ये ज्वालामुखी

यूएसए (हवाई) । एजेंसी

प्रसिद्ध ज्वालामुखी कीलाउए में 55वीं बार ज्वालामुखी फटा। हवाई ज्वालामुखी राष्ट्रीय उद्यान में उत्तरी वेंट से 700 फुट ऊंचे लावा के फव्वारे निकले। राख का बादल 25,000 फुट तक पहुंच गया। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के हवाईयन ज्वालामुखी वेधशाला ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह नजारा करीब छह घंटे चला और सुबह 9:03 बजे खत्म हुआ। दिसंबर 2024 से चल रहे विस्फोटों का यह नया चैप्टर था। सुबह 3:19 बजे हवाई समय पर उत्तरी वेंट से लावा के फव्वारे शुरू हुए। पांच बजे तक ये 700 फुट से ज्यादा ऊंचे हो गए। लावा क्रेटर के फर्श पर फैल गया। आग के पंख जैसे चमकते दृश्य देखने को मिले। अंतरिक्ष से भी राख का विशाल बादल दिख रहा था। हवा उत्तर-पूर्व से चल रही थी, इसलिए गैस और सामग्री दक्षिण-पश्चिम दिशा में फैली। लगभग दो महीने बाद यह फिर फटा है। पिछली बार 25 अगस्त को फटा था।



भारत में भी हिंसा भड़काने की साजिश, रिपोर्ट में दावा

यूरोप के 6 देशों में शिक्षा-महंगाई पर प्रदर्शन, फ्रांस में आगजनी-लूटपाट

वॉशिंगटन। एजेंसी

फ्रांस में छात्र प्रदर्शनों के पीछे वैश्विक वामपंथी संगठनों के नेटवर्क की भूमिका होने का दावा किया गया है। फॉक्स न्यूज डिजिटल की 9 अक्टूबर को प्रकाशित एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस के छात्र आंदोलन और उससे जुड़े समर्थक नेटवर्क में 50 संगठनों की पहचान की गई है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कम्युनिस्ट, समाजवादी और वामपंथी संगठन स्कूलों की स्थिति को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के जरिए अपने व्यापक राजनीतिक और वैचारिक एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। फॉक्स न्यूज डिजिटल ने जिन 50 संगठनों का विश्लेषण किया, उनमें से 15 छात्र या युवा संगठन हैं। बाकी 35 संगठनों में श्रमिक संघ, कम्युनिस्ट और समाजवादी संगठन, राजनीतिक दल, नागरिक अधिकार समूह और अन्य अभियान चलाने वाले संगठन शामिल हैं।



भारत से जुड़े संगठन का भी जिक्र

फॉक्स न्यूज डिजिटल की रिपोर्ट में फ्रांस स्थित संगठन इंडियन अलायंस पेरिस का भी जिक्र किया गया है। यह संगठन छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों से जुड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संगठन ने सोशल मीडिया पर फ्रांस में हो रहे प्रदर्शनों का समर्थन किया और उनकी तुलना भारत में हुए छात्र प्रदर्शनों से की। रिपोर्ट के मुताबिक, संगठन ने एक्स पर एक संदेश पोस्ट करते हुए दोनों देशों के युवाओं के समर्थन में लिखा, ‘जेन जी के नाम: फ्रांस में। भारत में। आज के लिए शाबाश।’ संगठन के एक्स अकाउंट पर भारत में हुए प्रदर्शनों से संबंधित कई पोस्ट भी हैं।

अमेरिका से भारत तक मिला नेटवर्क

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस नेटवर्क का विस्तार फ्रांस से आगे अमेरिका, ब्रिटेन, ग्रीस, ब्राजील और भारत तक है। इसमें शामिल संगठन समर्थकों को जुटाने, हड़तालों की अपील करने और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के जरिये प्रदर्शनों को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं। शुरुआत में शिक्षा से जुड़ी शिकायतों पर केंद्रित इस आंदोलन में बाद में ऐसे समूह भी शामिल हो गए, जिनके राजनीतिक उद्देश्य पूंजीवाद, सरकारी खर्च में कटौती, पुलिस व्यवस्था, सैन्य खर्च और इसाइल से जुड़े मुद्दों तक फैले हुए हैं।

देर रात तक गावां में जाकर रजिस्ट्री करने के मिल रहे हैं निर्देश

स्वामित्व योजना में तैयारी अधूरी, पटवारियों पर टारगेट का दबाव

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार दिलाने के उद्देश्य से शुरू की गई स्वामित्व योजना अब मैदानी अमले के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। योजना लागू करने से पहले पर्याप्त तैयारी, तकनीकी व्यवस्था और काम की व्यावहारिक प्रक्रिया सुनिश्चित नहीं किए जाने के आरोप लग रहे हैं। नतीजा यह है कि रजिस्ट्रियों के लक्ष्य पूरे नहीं हो पा रहे, जबकि पटवारियों पर काम तेजी से पूरा करने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। योजना के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सात लाख से अधिक रजिस्ट्रियां करने का लक्ष्य दिया गया था। लेकिन अब तक 50 हजार का आंकड़ा भी पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि अभियान शुरू करने से पहले जमीनी परिस्थितियों का पर्याप्त आकलन किया गया था?

स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी की संपत्तियों के अधिकार अभिलेखों का निःशुल्क पंजीयन किया जा रहा है। करीब 50 लाख संपत्तियों का पंजीयन अभियान के तहत किया जाना है। योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को संपत्ति के पंजीकृत दस्तावेज उपलब्ध कराना है, ताकि वे जरूरत पड़ने पर उनका उपयोग आर्थिक गतिविधियों

और ऋण लेने में कर सकें। हालांकि, रजिस्ट्री की प्रक्रिया में पटवारियों की भूमिका और कानूनी जिम्मेदारी को लेकर विवाद खड़ा हो गया। काम का बहिष्कार करने और हड़ताल के बाद सरकार ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत काम करने वाले पटवारियों को कानूनी संरक्षण देने के आदेश जारी किए। साथ ही 17 सितंबर के बाद की गई कार्रवाइयों को शून्य करने पर सहमति बनी। पटवारियों की शिकायत है कि सारा पोर्टल पर तकनीकी दिक्कों के कारण काम प्रभावित होता है। सर्वर ठीक से काम नहीं करने पर रजिस्ट्रियों की प्रक्रिया अटक जाती है। आरोप हैं कि अधिकारियों की ओर से देर रात तक काम करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। सागर जिले में भी देर रात काम कराने संबंधी आदेश जारी होने की खबरें सामने आई हैं। इससे महिला पटवारियों के सामने सुरक्षा की भी दिक्कतें हैं। रविवार को रायसेन जिले में पदस्थ पटवारी अजय धाकड़ की नर्मदापुरम जिले के पिपरिया में मौत हो गई। उनके दोनों बच्चों के शव भी कार में मिले। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फिलहाल मौतों के कारण स्पष्ट नहीं हैं। लेकिन , मैदानी अमले पर बढ़ते काम और प्रशासनिक दबाव को लेकर उठ रही शिकायतों के बीच इस घटना ने भी सवाल खड़े किए हैं।

फेसबुक पर लिखा ‘रावण नहीं, ऋषि-मुनियों को जलाओ’, शिक्षक गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस ने ऋषि-मुनियों को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले शिक्षक को गिरफ्तार किया है। मामला जशपुर जिले के कुनकुरी थाने क्षेत्र का है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 199 और 299 के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 52 वर्षीय हेमंत कुमार बेदी के रूप में हुई है, जो बगीचा ब्लॉक स्थित कूटमुरा के माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक है। पुलिस ने मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त कर लिया है।

पिता ने किया चार साल की बेटी का यौन उत्पीड़न मां ने भी दिया साथ

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में एक चार साल की बच्ची के साथ उसके ही पिता ने तीन बार यौन उत्पीड़न किया। कार्डिसिलिंग के दौरान यह बात सामने आई है। अब एसआईटी आरोपी पिता व मां से पूछताछ कर पुष्टा तथ्य ढूंढने में जुटी है। इसके लिए आरोपियों को पुलिस घटनास्थल पर लेकर जाएगा। साथ ही जांच टीम ग्रामीणों से भी पूछताछ करेगी। एक महिला ने 16 सितंबर को थाने में शिकायत दी थी कि उनकी चार साल की बेटी से स्कूल के शौचालय में साथ पढ़ने वाले 10 से 12 साल के किशोर ने गलत काम किया। पुलिस ने दुष्कर्म व पोक्सो एक्ट के तहत अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। करीब एक माह की जांच पड़ताल के बाद भी स्कूल में आरोपी का पता नहीं लग सका। ऐसे में पुलिस ने बच्ची के करीबी लोगों पर शक हुआ। जांच में पता चला कि बच्ची का पिता अश्लील वीडियो देखने का आदी है।